दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। रविवार 04 जनवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 16 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

हवाई हमलों से दहली वेनेजुएला की राजधानी काराकस

डोनाल्ड ट्रंप का दावा- वेनेजुएला में की सैन्य कार्रवाई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके देश ने वेनेजुएला और उसके नेता राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया है और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है। यह अभियान अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर किया गया। आगे और जानकारी दी जाएगी। आज सुबह 11 बजे (अमेरिकी समयानुसार) मार-ए-लागो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रॉड्रिग्ज ने सरकारी टीवी पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि सरकार को राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के ठिकाने की कोई जानकारी नहीं है। रॉड्रिग्ज ने कहा कि अमेरिका द्वारा कार्रवाई के बाद राष्ट्रपति कहां हैं, यह स्पष्ट नहीं है और सरकार उनकी प्रूफ ऑफ लाइफ की मांग कर रही है। इस बयान के बाद देश में राजनीतिक अनिश्चितता और बढ़ गई है।

लोकसभा सांसद ने दिखाया फ्लैग, पार्षदों ने दिखाया लैंसडाउन में स्वैग

विधायक संजीव शर्मा भी गये साथ, सिद्धबलि के दर्शन करने के बाद सबने मनाया नए साल का जश्न एक साथ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नये वर्ष में पूरे हर्ष के साथ वो तारीख आ गयी जब निगम पार्षदों का टूर उत्तराखंड के लिए रवाना हुआ। दैनिक करंट क्राइम शुरू से ही इस टूर को लेकर पूरा अपडेट अपने पाठकों को दे रहा है। टूर में पॉलिटिक्स वाले हैं और पॉलिटिक्स का टूर है ये बात बाद की है लेकिन शनिवार को जो अपडेट रहा वो ये रहा कि सुबह लगभग 8 बजे सभी पार्षद और मंडल अध्यक्ष तथा टूर में जाने वाले अन्य सदस्य नवयुग मार्किट में शिव मंदिर शिव चौक पर पहुंचे।

यहां सभी ने सबसे पहले कुल्हड़ वाली चाय, बैड पकौड़ो और गाजर के हलवे का नाश्ता किया और फिर बाबा की जयकार का नारा लगाते हुए लैंसडाउन में सिद्धबली मंदिर के लिए टैम्पो ट्रैवलर और कारों में सवार हुए। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने नवयुग मार्किट में नगर निगम पार्षद दल, मंडल अध्यक्ष और विधायक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी पार्षद बेहद खुशनुमा मूड में नजर आये और सभी इस टूर को लेकर उत्साहित थे।

62 सदस्य दल में हैं 38 पार्षद 6 मंडल अध्यक्ष और विधायक

करंट क्राइम। नव वर्ष पर गाजियाबाद के पार्षद पूजा अर्चना करने के लिए कोटद्वार सिद्धबली मंदिर पहुंचे हैं। ये पार्षद अकेले नहीं गये हैं, यहां से 62 सदस्य यानी 62 भाजपा परिवार के लोग सिद्धबली मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे हैं। इन 62 लोगों में 38 पार्षद हैं, 6 मंडल अध्यक्ष हैं और भाजपा के कई पदाधिकारी हैं। जिनमें सहकारिता समिति के चेयरमैन विरेन्द्र सारस्वत भी शामिल हैं।

मंदिर में किया संकीर्तन और कपाट खुलने पर हुआ दर्शन पूजन

करंट क्राइम। सिद्धबली मंदिर में भाजपा के पार्षद, विधायक, निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष पहुंचे। सभी का स्वागत हुआ और पार्षदों ने मंदिर प्रांगण में कीर्तन किया। इसके बाद 2 बजे कपाट खुले औरबाबा को चोला चढ़ाया गया, उनका श्रृंगार किया गया। और फिर पार्षद यहां से रिवर तट पर पहुंचे।

और जब पार्षदों ने मिलकर खेला एक साथ तंबोला

करंट क्राइम। लैंसडाउन में भाजपा पार्षदों ने नए साल के जश्न को खेल-खेल कर भी सेलीब्रेट किया। म्यूजिकल चेयर से जहां शक्ति प्रदर्शन प्रदर्शित किया गया। वहीं तंबोला खेलकर सभी ने अपनी किस्मत के करंट को भी चैक किया। पार्षद शीतल देओल ने तंबोला गेम का संचालन किया।

कोटद्वार के महापौर ने किया गाजियाबाद के पार्षदों का स्वागत

करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम के पार्षद जब कोटद्वार पहुंचे तो कोटद्वार के महापौर शैलेन्द्र सिंह रावत ने स्वागत किया। उन्होंने सभी पार्षदों को, प्रतिनिधि मंडल को चाय नाश्ता कराया।

बिजनौर में मैक्स मिलेनियम पर पार्षदों ने पी चाय और कॉफी

करंट क्राइम। गाजियाबाद के सभी पार्षद, मंडल अध्यक्ष और अन्य सदस्य बेहद खुशनुमा माहौल में हंसते गाते कोटद्वार के लिए रवाना हुए। गाजियाबाद से कुल्हड़ वाली चाय पीने के बाद पार्षदों का दल जब बिजनौर पहुंचा तो यहां मैक्स मिलेनियम पर सभी को चाय और कॉफी पीलायी गयी, सभी ने नाश्ता किया और फिर गन्तव्य के लिए रवाना हुए।

मेयर और विधायक ने किया कोटद्वार पहुंचते ही स्वागत

करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम परिवार जब कोटद्वार पहुंचा तो स्वागत सत्कार का सिलसिला शुरू हुआ। कोटद्वार के मेयर ने सभी को पटका पहनाया। इसके बाद लैंसडाउन के विधायक और मंदिर के महंत दिलीप महंत ने सभी को गढ़वाली टोपी पहनाई और स्वागत किया।

जब मेयर के लिए हो गया हिमांशु शर्मा और नीरज गोयल में टाई

करंट क्राइम। पार्षद कोटद्वार पहुंच चुके हैं और पूजा अर्चना कर ली है और धीरे धीरे शाम होने लगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक सभी रिवर तट पर पहुंच चुके हैं, यहां पर म्यूजिकल चेयर की कमान पार्षद शीतल चौधरी ने संभाली है। शीतल चौधरी ने गेम खिलाना शुरू किया और गेम में ये था कि कौन बनेगा महापौर 2032। 2032 में कौन महापौर बनेगा इसको लेकर म्यूजिक पर फैसला हो रहा था। इधर म्यूजिकल चेयर ऑन थी और उधर मेयर वाली दौड़ शुरू हो गयी। यहां पर नतीजा रोचक रहा और म्यूजिकल चेयर में कौन बनेगा मेयर 2032 वाले गेम में पार्षद नीरज गोयल और पार्षद हिमांशु शर्मा के बीच टाई हो गया। कुल मिलाकर सार ये रहा कि कौन बनेगा मेयर वाले सवाल पर आधा फैसला हिंडन के इस पार और आधा हिंडन के उस पार हो गया।

हम सब हैं निगम परिवार और हमें मिला है मेयर का आशीर्वाद : प्रवीण चौधरी

करंट क्राइम। निगम कार्यकारिणी उपाध्क्ष और सिद्धबली टूर के आयोजक प्रवीण चौधरी ने एक बार फिर दोहराया कि इस टूर को किसी भी राजनीति से ना जोड़ा जाय। उन्होंने कहा कि राजनीति वालों को भी धार्मिक स्थलों पर जाने का अधिकार है और पूरा निगम परिवार एक है। उन्होंने टूर को लेकर उठ रही पॉलिटिकल अटकलों पर विराम लगाया। उन्होंने कहा कि मैं स्पष्ट कर दूं कि मेयर सुनिता दयाल नगर निगम पार्षद दल की नेता हैं। हम सब पार्षद हैं और वो हमारी नेता हैं। जिन लोगों को ऐसा लग रहा है तो उन्हें भी बता दूं कि हम इस टूर पर जाने से पहले मेयर सुनिता दयाल का आशीर्वाद लेकर आये हैं। अगर नगर निगम परिवार की बात है तो वो हमारी अभिभावक हैं और हम अपनी अभिभावक को बताकर उनसे इजाजत लेकर यहां आये हैं। किसी भी तरह की कोई राजनीतिक गलतफहमी की गुंजाईश ही नहीं है। निगम कार्यरिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने कहा कि यह एक आम बात है कि जब भी राजनीतिक लोग कुछ करते हैं तो सभी निगाहें उन पर केन्द्रीत रहती हैं। ऐसे में सब अपने अपने कयास भी लगाते हैं। लेकिन सत्य यही है कि निगम परिवार एक है, हम सब एक हैं। कहीं भी किसी भी तरह की कोई भी तकरार नहीं है, कोई मिसअंडरस्टेंडिग नहीं है। सिद्धबली के पूजन दर्शन का कार्यक्रम नववर्ष पर करने का सौभाग्य मिला है। यह हम सबके लिए खुशी की बात है।

बहन की हत्या का मामला: पुलिस की मजबूत पैरवी से आरोपी को उम्रकैद

गाजियाबाद करंट क्राइम। अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, अगर जांच और अदालत में पैरवी मजबूत हो तो सजा तय होती है। गाजियाबाद पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन ने एक बार फिर यही साबित किया है। थाना कविनगर में दर्ज बहन की हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी राहुल अहिरवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला पुलिस की सशक्त विवेचना और कन्विक्शन सेल की प्रभावी अदालत पैरवी का नतीजा माना जा रहा है।

मामला वर्ष 2020 का है, जब आरोपी ने वादी की बहन के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में धारा 498अ, 304इ, 323 भादवि एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना की। केस की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्य और गवाह इतने ठोस रहे कि आरोपी बचाव का कोई रास्ता नहीं निकाल सका। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, कोर्ट संख्या-07 ने आरोपी को वैकल्पिक धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने, जबकि धारा 323 में एक वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन कन्विक्शन का उद्देश्य सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, बल्कि अपराधियों को अदालत से सख्त सजा दिलाना है — और यह फैसला उसी दिशा में एक मजबूत उदाहरण है।

ईवीएम है एक तकनीक और हो सकता है उसका मिसयूज : हरीश रावत पूर्व मुख्यमंत्री

चुनाव आयोग बना है कठपुतली और भाजपा ने कर दिया है एक नैरेटिव सेट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक बार फिर ईवीएम को हैक करने की बात कही। उन्होंने चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक नैरेटिव सैट किया है और हम लगातार विरोध कर रहे हैं। गौरतलब है कि गाजियाबाद के कांग्रेसी नेता नरेन्द्र राठी की माता प्रकाशी देवी का बीते दिनों निधन हो गया था। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत शनिवार को नरेन्द्र राठी के आवास पर शोक व्यक्त करने को पहुंचे थे। इसी दौरान पूर्व मुख्यमंत्री यहां पत्रकारों से रूबरू हुए और उन्होंने ईवीएम पर एक बार फिर निशाना साधा। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि ईवीएम एक तकनीक है और सरकार इस तकनीक का मिसयूज कर सकती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को लोकतंत्र में अम्पायर की भूमिका में रहना है। लेकिन चुनाव आयोग सरकार के हाथ की कठपुतली बन गया है और इसलिए लगातार इस बात की आशंका बढ़ रही है और हम जोर देकर कह रहे हैं कि ईवीएम का दुरूपयोग हो सकता है। यहां पर जब हरीश रावत से ये सवाल हुआ कि कर्नाटक और हिमाचल में जब कांग्रेस ने सरकार बनाई तब क्या ईवीएम ठीक थी और जब कांग्रेस अन्य राज्यों में हार जाती है तो ईवीएम को दोष देती है। इस सवाल के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कोई जरूरी नहीं है कि जहां कांग्रेस जीती है वहां ईवीएम का दुरूपयोग नहीं हुआ है। उन्होंने यहां स्पष्ट किया कि जहां कांग्रेस जीती है वहां जनभावनायें कांग्रेस के साथ ज्यादा थीं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में जबरदस्त इनकम्बेंसी फैक्टर था। जितना इन्होंने ईवीएम को लेकर प्लान किया होगा। जनादेश उस प्लान से ज्यादा कांग्रेस के पक्ष में रहा। उन्होंने कहा कि हिमांचल में एग्जिट पॉल एक तरफा सरकार बता रहे थे और यहां कांटे का मुकाबला हो गया। इसलिए ईवीएम के दुरूपयोग की संभावना से बिल्कुल इंकार नहीं किया जा सकता। यहां पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने ये भी कहा कि कांग्रेस की जीत और ईवीएम की वैद्यता को लेकर भाजपा ने ये एक नैरेटिव सैट कर दिया है और वो कई तथ्यों को झुठलाने की कोशिश में है। उन्होंने दोहराया कि हमने ये कभी नहीं कहा कि ईवीएम ठीक है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ईवीएम ठीक है और सबकुछ ठीक है तो आज से पहले वोट चोरी जैसी बातें क्यों सामने नहीं आयी थीं। उन्होंने दावा किया कि आपदेख लीजिये और कई वार्डों का उदाहरण किया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान की भी जांच होनी चाहिए।

एक वोटर लिस्ट आती है जिसमें एक सिरे से 100, 150, 500, 1000 नाम बाहर हो जाते हैं। वोटर लिस्ट सही है पर वैरिफिकेशन गलत हो रहा है। सही वैरिफाई करने का टाईम ही नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा सबूत ये है कि देश में आज दो वोटर लिस्ट हैं। राजनीतिक दलों की वोटर लिस्ट अलग है और निर्वाचन विभाग की वोटर लिस्ट अलग है। एसआईआर अभियान में सोची समझी साजिश पर काम हो रहा है। यदि इसका उददेश्य सही है तो फिर ऐसा क्यों हो रहा है कि जिस मतदाता ने तीन बार से कांगेस को वोट दिया है उसका नाम ही वोटर लिस्ट से काटा जा रहा है। और अपने वोट जोड़े जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय पर राहुल गांधी पहले कह चुके हैं, मैंने खुद कहा है। एक व्यक्ति देहरादून में भी वोट देता है और वहीं व्यक्ति बिहार से भी वोट देने का वीडियो डालता है।

दिल्ली में तो भाजपा के ही एक नेता बिहार में भी वोट देते हैं और दिल्ली में भी वोट देते हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान सही दिशा में है तो फिर ये स्थिति नहीं होनी चाहिए।

जहां रहा, जो किया—पूरी निष्ठा और आनंद के साथ किया: बालेश्वर त्यागी

लेख की 5 मुख्य बातें

1. काम को बोझ नहीं, आनंद माना

लेखक का स्पष्ट मानना है कि हर भूमिका—राजनीति, प्रशासन, शिक्षा या सामाजिक क्षेत्र—में उन्होंने सौ प्रतिशत समर्पण के साथ कार्य किया और उसी से संतोष व सम्मान मिला।

2. संघर्षशील राजनीति की पहचान बनाई

नगर अध्यक्ष रहते हुए पदयात्रा, जनसमस्याओं पर आंदोलन, चुनाव कराने की मांग और झुग्गीवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष को प्राथमिकता दी।

3. विधायक व मंत्री के रूप में संवाद और उपलब्धियाँ

ह्यगाजियाबाद विधायक संदेशह्व के माध्यम से जनता से सीधा संवाद, और मंत्री रहते हुए शिक्षा, पंचायतीराज व संस्थागत वित्त में बड़े कीर्तिमान स्थापित किए।

4. बेसिक शिक्षा में ऐतिहासिक कार्य

54 लाख बच्चों का नामांकन, 23 हजार नए शिक्षकों की पारदर्शी नियुक्ति, स्कूल भवनों और नए शिक्षण संस्थानों की स्थापना जैसे ठोस कार्य किए।

5. राजनीति के बाद भी सक्रिय सामाजिक योगदान

महर्षि दयानंद विद्यापीठ और हरिश्चंद्र त्यागी सार्वजनिक पुस्तकालय के माध्यम से शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में निरंतर सेवा।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जहां मैं हूं, जो मैं करता हूं, वहां मैं अपना सौ प्रतिशत देता हूं। वह चाहे मैं फेस बुक पर पोस्ट लिखता हूं या महर्षि दयानंद विद्यापीठ और हरिश्चंद्र त्यागी सार्वजनिक पुस्तकालय की व्यवस्थाओं के संचालन में मेरी भूमिका हो। जब मैं भाजपा का नगर अध्यक्ष था या जब प्रदेश सरकार में मंत्री के रूप में काम किया और या अब विद्यालय के संचालन में जो योगदान है। मेरे इस स्वभाव ने मुझे सफलता भी दी है और सम्मान भी दिया है। मैने कभी अपने काम को बोझ के रूप में नहीं लिया। इसलिए काम में आनंद का अनुभव होता है। मेरा सदैव प्रयास रहा है कि हम जो कर रहे हैं उसे और बेहतर कैसे कर सकते हैं? इस इच्छा में से कुछ कुछ नया निकलता है।

भाजपा के नगर अध्यक्ष के रूप में मैने पूरे शहर में पदयात्रा की। शहर की समस्याओं को उठाकर उनके समाधान के प्रयासों में सहयोग का अनुरोध किया। 17 वर्षों से गाजियाबाद नगर पालिका के चुनाव नहीं हुए थे। चुनाव कराने की मांग को लेकर एक लाख लोगों के हस्ताक्षर करा कर लोक सभा अध्यक्ष को ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने के लिए भी दिल्ली साइकिलों से गए। खोड़ा को ध्वस्तीकर से बचाने के लिए आंदोलन और तेजाब पीड़ित लड़की के दोषी को दंडित कराने के लिए तत्कालीन गृह मंत्री बूटसिंह की कोठी पर प्रदर्शन किया। झुग्गी झोंपड़ियों के निवासियों को मानवीय सुविधाएं दिलाने के लिए बड़े प्रयास किए। परिणाम स्वरूप नंदग्राम में बड़ी संख्या में झुग्गीवासियों को प्लाट दिलाए। भाजपा को एक संघर्ष करने वाला स्वरूप विकसित किया।

विधायक बने तो संवाद के लिए गाजियाबाद विधायक संदेश नाम से मासिक समाचार पत्र प्रकाशित किया। उसमें अपनी सारी गतिविधियों को मतदाताओं तक पहुंचाने का माध्यम बनाया। शहर के पांच हजार लोगों को उसे डाक से भेजता था। भाजपा कार्यकताओं के अतिरिक्त वकील डाक्टर टीचर्स को भी भेजता था। मुझे शहर में क्या क्या करना चाहिए उसके लिए पांच हजार लोगों को पत्र लिखकर उनके सुझाव मांगे। मुझे राजस्व, गृह, पंचायतीराज, मुख्य मंत्री से सम्बद्ध, वित्त, संस्थागत वित्त और बेसिक शिक्षा मंत्री के रूप में काम करने का अवसर मिला। मैं पंचायतीराज, संस्थागत वित्त और बेसिक शिक्षा में मै स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री था। मैं सबसे मिलता था। जो विभागीय अधिकारी / कर्मचारी आता था उसकी समस्या तो सुनता ही था साथ ही विभाग की समस्याएं और विभाग में क्या और किया जाना चाहिए ये पूछता था। विभाग के संबंध में जो जमीनी जानकारी डायरेक्टर और सचिव को होती थी, लगभग उतनी ही जानकारी मुझे भी होती थी।बेसिक शिक्षा में स्कूल चलो अभियान में 54 लाख नए बच्चों का नामांकन कराकर एक रिकॉर्ड बनाया था। पहली बार प्रदेश में 23 हजार नए शिक्षकों की पारदर्शी और निष्पक्ष नियुक्ति कराकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। जो चुनावों में वोट मांगने के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बनी। गाजियाबाद में नंदग्राम में राजकीय इंटर कॉलेज, विजय नगर में राजकीय बालिका हाईस्कूल को इंटर और भवन निर्माण के धन प्रदान कराया। प्राइमरी के सारे भवनहीन विद्यालयों को भवन और बच्चों से विहीन विद्यालयों को मलिन बस्तियों में ट्रांसफर कराकर उनके भवन निर्माण और 17 जूनियर हाईस्कूलों की स्थापना कराई। बेसिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय का निर्माण और जिला विद्यालय निरीक्षक के भवन के धन उपलब्ध कराया। जिला पंचायत का भवन और दीनदयाल उपाध्याय सभागार भी मेरे प्रयासों का परिणाम है।

मैं कोई अपने काम नहीं गिना रहा हूं क्योंकि काम तो और भी बहुत सारे हैं। लेकिन अपनी क्रियाशीलता और सक्रियता के क्रम में इनका उल्लेख किया गया।

राजनीति से रिटायरमेंट के बाद भी विद्यालय और लाइब्रेरी दोनों मेरे सक्रिय प्रयासों के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। गाजियाबाद के सैंकड़ों विद्यालयों में महर्षि दयानंद विद्यापीठ ने अल्प समय में अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है। महानगर के सभी पब्लिक स्कूलों से कम फीस में बिना किसी सरकारी वित्तीय सहायता के चार हजार बच्चों को शिक्षित करना एक उपलब्धि है। इसी प्रकार हरिश्चंद्र त्यागी सार्वजनिक पुस्तकालय भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवक युवतियों के लिए महत्वपूर्ण संस्थान है। ये मेरे आनंद में रहने का प्रमाण है। ये मेरी सेवावृति का उदाहरण है। समाज के बहुत सारे सुधि जन इनको न केवल सराहते हैं बल्कि सहयोग भी करते हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराए 14 नक्सली

- यह ऑपरेशन देश से 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद के सफाये के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) सुकमा की टीम ने मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया है। यह मुठभेड़ किस्टाराम थाना क्षेत्र के पामलूर के जंगलों में हुई। मारे गए नक्सलियों में कोंटा एरिया कमेटी का सचिव सचिन मंगडू भी शामिल है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण लगातार ऑपरेशन की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मुठभेड़ वाली जगह से एके-47 और इंसास जैसे ऑटोमैटिक हथियार भी बरामद किए गए हैं। मारे गए अन्य नक्सलियों की पहचान अभी की जा रही।

डीआरजी ने शुक्रवार देर शाम पलोदी और पोटाकपल्ली में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। ये दोनों इलाके किस्टाराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। यह ऑपरेशन देश से 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद के सफाये के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले बीजापुर जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ एक अलग मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए। बीजापुर डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड की टीम ने शनिवार सुबह जिले के दक्षिणी हिस्से के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाकर्मियों की आहट पाकर नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

डीआरजी की जवाबी कार्रवाई में दो नक्सली मारे गए। छत्तीसगढ़ में 2025 में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में 285 नक्सली मारे गए। इनमें से 257 नक्सली बस्तर मंडल में मारे गए, जिसमें बीजापुर समेत 7 जिले शामिल हैं, जबकि 27 अन्य रायपुर मंडल के गरियाबंद जिले में मारे गए। इससे पहले 20 दिसंबर को सुरक्षा बलों ने सुकमा जिले में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और नक्सल गतिविधियों से संबंधित अन्य सामग्री बरामद की थी।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 159वीं बटालियन और सुकमा डीआरजी की जॉइंट टीम उर्सांगल कैंप से नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी, तभी गोंडपल्ली गांव के पास एक पहाड़ी पर स्थित इस नक्सल ठिकाने के बारे में पता चला। पुलिस ने बताया कि बरामद किए गए हथियारों और गोला-बारूद में एक बोल्ट-एक्शन राइफल, तीन मजल-लोडिंग बंदूकें, एक 12 बोर की सिंगल-बैरल राइफल, 7.62 मिमी सेल्फ लोडिंग राइफ के 150 जिंदा कारतूस, 5.56 मिमी इंसास राइफल के 150 कारतूस और .303 राइफल के 100 कारतूस शामिल हैं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या
दंगाइयों ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या कर दी गई है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को व्यापारी खोकन चंद्र दास पर जानलेवा हमला हुआ था। 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास तीन दिन से जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, लेकिन आज शनिवार, 3 जनवरी को इस हिंदू व्यापारी की मौत हो गई।

खोकन चंद्र दास ढाका से 150 किलोमीटर दूर अपने गांव में दवा और मोबाइल बैंकिंग का काम करते थे। बुधवार को जब वे दुकान बंद करके घर लौट रहे थे, तब दंगाइयों ने उन पर धारदार हथियारों से वार किया और पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

खोकन चंद्र दास अपनी जान बचाने के लिए किसी तरह तालाब में कूद गए। इस हमले के बाद प्रदर्शनकारी वहां से भाग निकले।

खोकन चंद्र दास पर प्रदर्शनकारियों ने यह हमला 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुद्या उपजिले के कोनेश्वर यूनियन में केउरभंगा बाजार के पास किया।हमलावरों ने इस हिंदू व्यापारी को पहले तो बहुत बुरी तरह पीटा और फिर चाकू से वार किया। इसके बाद सिर और चेहरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

खोकन चंद्र दास को जिंदा जलाया

खोकन चंद्र दास पर हुए हमले के बाद उनकी पत्नी सीमा दास का बयान सामने आया था। सीमा दास ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा था कि 'हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि मेरे पति को अचानक क्यों निशाना बनाया गया।'

सीमा दास ने आगे बताया कि उनके पति ने हमलावरों में से दो को पहचान लिया था, इसलिए उन हमलावरों ने सिर और चेहरे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

इंदौर दूषित जल कांडः शिकायतें दबती रहीं और पानी की लाइन में मल-मूत्र मिलता रहा, 15 मौतों के बाद जागी सरकार

इंदौर। देश के स्वच्छतम शहर इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से फैला संकट किसी एक दिन की गलती नहीं, बल्कि लगातार अनदेखी, गलत निर्माण और निगरानी के अभाव का नतीजा है। छह दिन में 15 लोगों की मौत हो गई और शहर की जल व्यवस्था की भयावह तस्वीर सामने आ गई।

दरअसल, स्थानीय निवासी कई हफ्तों से गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया। 29 दिसंबर, 2025 को स्थिति तब विस्फोटक हो गई, जब 100 से अधिक लोग उल्टी-दस्त से पीड़ित हो गए।

अस्पतालों में मरीजों की भीड़ लगने लगी। अगले दिन हालात और बिगड़ गए। आठ मरीजों की मौत की बात सामने आई और बीमार लोगों की संख्या 1100 से अधिक पहुंच गई। नगर निगम ने आनन-फानन में पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे।

प्रशासनिक कार्रवाई के तौर पर दो अधिकारियों को निलंबित किया गया और एक की सेवा समाप्त कर दी गई। जांच में पता चला कि नर्मदा जल लाइन के ऊपर और आसपास ड्रेनेज चैंबर बने हुए थे।

इससे भी गंभीर तथ्य यह था कि एक पुलिस चौकी का टायलेट भी इसी पाइपलाइन के ऊपर बना दिया गया, जिससे सीवेज सीधे पेयजल लाइन में रिसने की आशंका पुख्ता हो गई।

सिस्टम कठघरे मेंमामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने शासन से रिपोर्ट तलब कर ली। मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर पहुंचे, अस्पतालों का दौरा किया और आपात बैठक ली। मृतकों के स्वजन के लिए दो-दो लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की गई।

इसी बीच नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का अपशब्द कहते हुए एक बयान सामने आया, जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हुआ। हालांकि, उन्होंने खेद प्रकट किया, लेकिन सरकार की किरकिरी हो गई।

जांच ने उजागर किया भयावह सचनए साल के पहले दिन आई पानी की जांच रिपोर्ट ने पूरे मामले की भयावहता साफ कर दी। इसमें पुष्टि हुई कि लोग मल-मूत्र मिश्रित पानी पीने को मजबूर थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मुख्य सचिव को नोटिस जारी किया। मुख्यमंत्री ने नगर निगम कमिश्नर और एडिशनल कमिश्नर को नोटिस जारी किया।

हाई कोर्ट में पेश स्टेटस रिपोर्ट में सरकार ने आधिकारिक तौर पर जितनी मौत की बात स्वीकारी, आंकड़ा उससे कहीं ज्यादा था। अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। 2800 से ज्यादा लोग बीमार हुए हैं। अभी 201 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

माघ मेला शुरू, श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

नई दिल्ली। नए साल के साथ ही साल 2026 को लेकर लोगों में धार्मिक और ज्योतिषीय उत्साह देखने को मिल रहा है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह वर्ष सूर्य का वर्ष माना जा रहा है, इसलिए इसका असर धर्म, आस्था, तप और अच्छे कर्मों पर खास रूप से पड़ने वाला है। इसी शुभ अवसर पर साल की शुरूआत के साथ ही सनातन परंपरा का बड़ा धार्मिक आयोजन माघ मेला आज से शुरू हो गया है।

माघ मेले के शुरू होते ही प्रयागराज के संगम तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। देश के अलग-अलग राज्यों से आए श्रद्धालु, संत और कल्पवासी संगम में पवित्र स्नान कर रहे हैं। हर ओर भक्ति और आस्था का माहौल बना हुआ है।

माघ मेला कब से कब तक चलेगा

आज पौष पूर्णिमा के पावन अवसर पर पहले पवित्र स्नान का आयोजन किया गया है। इसके साथ ही संगम तट पर कल्पवास की परंपरा भी शुरू हो गई है, जिसमें श्रद्धालु पूरे माघ महीने संयम और साधना के साथ जीवन बिताएंगे।

माघ मेला करीब 40 दिनों से अधिक समय तक चलेगा और इसका समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन अंतिम पवित्र स्नान के साथ होगा। इस पूरे समय के दौरान देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु, संत और कल्पवासी प्रयागराज पहुंचकर संगम तट पर निवास करेंगे और पवित्र स्नान, पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेंगे।

संगम स्नान का धार्मिक महत्व

माघ मास में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। पुराणों के अनुसार माघ महीने में संगम में स्नान करने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।यह समय दान, जप, तप और ध्यान के लिए सर्वोत्तम माना गया है।

कल्पवास का महत्व

कल्पवास माघ मेले की सबसे विशेष और पवित्र परंपरा है।कल्पवासी पूरे माघ मास संगम तट पर रहकर सादा और संयमित जीवन व्यतीत करते हैं।इस दौरान वे ब्रह्ममुहूर्त में स्नान करते हैं, एक समय सात्विक भोजन , भूमि पर शयन, जप, तप, ध्यान और दान, क्रोध, अहंकार और भोग से दूरी बनाए रखते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि एक माघ मास का कल्पवास हजारों वर्षों की तपस्या के समान फल देता है।विशेष रूप से उम्रदराज और गृहस्थ इस परंपरा का पालन करते हैं।

माघ मेला भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत स्वरूप है।यहां संतों के प्रवचन, यज्ञ, भजन-कीर्तन और धार्मिक चचाओं से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर जाता है।

महाराष्ट्रः बिना एक भी वोट डले नगर निकाय में जीत गए महायुति के 68 पार्षद

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले महाराष्ट्र नगर निकाय और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव से पहले बीजेपी-नेतृत्व वाली महायुति ने बड़ी बढ़त बना ली है। नामांकन वापसी की अंतिम तारीख के बाद विभिन्न नगर निकायों में महायुति के 68 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। इन 68 सीटों में से बीजेपी को 44 सीटें, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना को 22 सीटें और अजित पवार की एनसीपी को 2 सीटें मिली हैं। सबसे ज्यादा निर्विरोध जीत ठाणे जिले की कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में दर्ज हुई। इसके अलावा पुणे, पिंपरी-चिंचवाड, पनवेल, भिवंडी, धुले, जलगांव और अहिल्यानगर से भी सीटें महायुति के खाते में गईं। पुणे में वार्ड नंबर 35 से बीजेपी उम्मीदवार मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने इसे बीजेपी के कामकाज पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया और दावा किया कि पुणे का अगला मेयर बीजेपी का होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए मोहोल ने कहा, हमारा लक्ष्य 125 सीटें जीतना है। इनमें से दो सीटें निर्विरोध जीती जा चुकी हैं, अब 123 सीटें शेष हैं।

उमर खालिद को लिखे ममदानी के पत्र को भाजपा ने आंतरिक मामलों में दखल बताया

नई दिल्लीः न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा उमर खालिद को लिखे गए पत्र पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने आंतरिक मामलों में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा।

पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा, यदि कोई व्यक्ति किसी आरोपी का समर्थन करता है और भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करता है, तो भारत इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत के प्रत्येक नागरिक को देश की न्यायपालिका पर पूर्ण विश्वास है।

उन्होंने आगे कहा, कौन-सा बाहरी व्यक्ति हमारी लोकतंत्र और न्यायपालिका पर सवाल उठाने वाला होता है? वह भी ऐसे व्यक्ति के समर्थन में जो भारत को टुकड़ों में बांटना चाहता है? यह ठीक नहीं है जब भारत की

संप्रभुता की बात आती है, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 140 करोड़ भारतीय इसके खिलाफ खड़े होंगे। ज्ञात हो कि इसी बीच अमेरिका के सांसदों के एक समूह ने भारत के अमेरिका स्थित राजदूत विनय क्वात्रा को पत्र लिखकर उमर खालिद को जमानत दिए जाने और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप निष्पक्ष और समयबद्ध सुनवाई की मांग की है।

जेएनयू छात्र संघ के पूर्व नेता उमर खालिद, जो 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े आपराधिक मामलों में कथित संलिप्तता के आरोप में जेल में बंद हैं, को लिखे एक हस्तलिखित पत्र में ममदानी ने कहा कि वह अक्सर कड़वाहट (बिटरनेस) पर खालिद के विचारों के बारे में सोचते हैं।

प्रिय उमर से संबोधित यह पत्र दिसंबर 2025 में खालिद के माता-पिता की अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें दिया गया था। यह पत्र गुरुवार को सार्वजनिक किया गया। उसी दिन जब भारतीय मूल के ममदानी ने न्यूयॉर्क के मेयर के रूप में शपथ ली।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता भाटिया ने कहा कि भारत इस तरह के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा। भाटिया ने राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता अपने विदेश दौरों के दौरान भारत-विरोधी ताकतों और भारत के दुश्मनों से मिलते हैं और उन्हें देश के खिलाफ झूठ फैलाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

खालिद की साथी बनज्योत्सना लाहिरी द्वारा एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर शेयर किए गए पत्र की तस्वीर में लिखा थाः मैं अक्सर कड़वाहट पर आपके शब्दों और इसे अपने ऊपर हावी न होने देने के महत्व के बारे में सोचता हूं। आपके माता-पिता से मिलना खुशी की बात थी। हम सब आपके बारे में सोच रहे हैं।

लाहिरी ने बताया कि खालिद के माता-पिता साहिबा खानम और सैयद कासिम रसूल इलियास झ परिवार में होने वाली एक शादी से पहले अपनी बेटी से मिलने अमेरिका गए थे।

इलियास (70) ने कहा, हम 9 दिसंबर को अमेरिका यात्रा के दौरान ममदानी से मिले थे इससे पहले (2023 में) हमने उन्हें उमर की डायरी से एक पत्र पढ़ते हुए सुना था और हम उनसे मिलना चाहते थे। उन्होंने हमें 25 मिनट का समय दिया। बैठक के अंत में उन्होंने कहा कि वे उमर के साथ एक पत्र साझा करना चाहते हैं और हमारे जाने से पहले कुछ पंक्तियां लिखीं।

भाजपा विधायक का निधनः बैठक में मंत्री संग खाना खाने के बाद आया हार्ट अटैक, पीएम ने जताया शोक

बरेली। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में बैठक समाप्त होने और वहीं पंडाल में खाना खाने के बाद भाजपा विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल को हार्ट अटैक पड़ गया। तबीयत बिगड़ते देख उनके सहयोगियों ने उन्हें बिना देर किए सीधे मेडिसिटी ले गए, जहां डॉक्टरों ने तुरंत उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया था। इलाज शुरू ही हुआ था कि विधायक ने अंतिम सांस ले ली। उन्होंने पहली जनवरी को ही अपना जन्म दिवस भी मनाया था और दूसरे दिन उनकी कुछ ही पल में असमय मृत्यु हो गई।

दूसरी बार बने थे विधायक

सर्किट हाउस में मौजूद मंत्री और अधिकारी भी विधायक के हार्ट अटैक आने से बेखबर रहे। भोजन के बाद अन्य जन प्रतिनिधि और अधिकारी भी अपने गंतव्य स्थल के लिए निकल गए थे। फिर विधायक के निधन की सूचना मिलने पर जन प्रतिनिधि और विधायक मेडिसिटी पहुंचे थे। प्रो. श्याम बिहारी लाल फरीदपुर विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह पीलीभीत रोड स्थित शक्ति नगर कॉलोनी के रहने वाले थे। वह फरीदपुर से ही दूसरी बार भाजपा विधायक थे।

ड्राइवर ने की बचाने की कोशिश

बताया जा रहा है कि बैठक के बाद भाजपा विधायक ने सर्किट हाउस में लगाए गए पंडाल में पशुधन मंत्री धर्मपाल, सांसद छत्रपाल सिंह व अन्य जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ भोजन भी किया। खाना खाने के दौरान उलझन हुई और अचानक सीने में तेज दर्द उठने लगा। जिस पर वह भोजन पंडाल से बाहर आ गए थे और वहीं सर्किट हाउस में ही कुछ पल के लिए अंदर कक्ष में लेट गए थे। स्थिति देख ड्राइवर और गनर ने उन्हें गाड़ी में बैठाया और बिना देरी किए मेडिसिटी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत आईसीयू में शिफ्ट कर इलाज शुरू किया, लेकिन कुछ ही पल बाद उन्होंने अंतिम सांस ले ली। उधर, दुखद सूचना मिलते ही जन प्रतिनिधि और अधिकारी भी अस्पताल पहुंच गए थे।

विधायक ने बैठक में उठाए थे मुद्दे

सर्किट हाउस में बैठक के दौरान विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल ने कैबिनेट मंत्री के सामने कई मुद्दे भी उठाए। उन्होंने कहा कि अहिच्छत्र गुलड़िया गौरी शंकर मंदिर, पचौमी के मंदिर को पर्यटन में जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बरेली में पर्यटन की दृष्टि से कोई बुकलेट बने या कोई पोस्टर-बैनर बने तो उसमें प्राचीन शिव मंदिरों के साथ ही प्राचीन अहिच्छत्र व अन्य मंदिरों को भी शामिल करने की मांग रखी थी।

एक दिन पहले मनाया था 60वां जन्मदिन

विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल का जन्म एक जनवरी 1966 को शाहजहांपुर जिले में हुआ था। उन्होंने एक दिन पहले ही परिवार के साथ मिलकर अपना 60वां जन्मदिन मनाया था। उनके परिवार में पत्नी मंजूलता, दो बेटियां और एक बेटा है। उनकी एक बेटी शिल्पा ग्वाल बरेली में ही रक्षा संपदा अधिकारी हैं। उनके निधन की खबर सुनते ही सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारी उनके आवास पर पहुंचे और परिवार वालों को सांत्वना दी।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, उत्तर प्रदेश के फरीदपुर के विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। वे जनहित में समर्पित भाजपा के एक कर्मठ नेता थे, जिनके जाने से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति!

ग्रोक पर अश्लीलताः इसे रोकने के लिए अभी तक किसी देश ने कुछ किया?

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की रफ्तार जितनी तेज है, उसके दुरुपयोग का खतरा उतना ही गंभीर होता जा रहा है। दिसंबर 2025 के अंत और जनवरी 2026 की शुरूआत में एलन मस्क की कंपनी xAI के चैटबॉट ग्रोक (Grok) से जुड़ी कॉन्ट्रोवर्सी ने यह सवाल खड़ा कर दिया कि क्या टेक्नोलॉजी इंसानी गरिमा और सहमति की सीमाओं को लांघ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामने आए मामलों में यूजर्स ने महिलाओं की सामान्य तस्वीरों पर ऐसे प्रॉम्प्ट दिए, जिनसे उन्हें कपड़ों के बिना या सेक्शुअलाइज्ड रूप में दिखाने वाली एआई जेनरेटेड इमेज बनाई गईं। ये तस्वीरें पब्लिक थ्रेड्स में पोस्ट की गईं, जिससे पीड़ित महिलाओं की गरिमा, प्राइवेसी और सहमति पर सीधा हमला हुआ। बीते साल के आखिरी हफ्ते में पर एक ट्रेंड तेजी से फैलने लगा। यूजर्स महिलाओं की तस्वीरों पर रिप्लाई करते हुए ग्रोक से remove clothes या बिकिनी में दिखाने जैसे प्रॉम्प्ट देने लगे। देखते ही देखते हजारों आपत्तिजनक एआई इमेजेस प्लेटफॉर्म पर फैल गईं। कुछ मामलों में नाबालिग लड़कियों की उम्र 12 से 16 साल के बीच होने का अनुमान भी लगाया गया, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

28 दिसंबर 2025 को ग्रोक द्वारा दो युवा लड़कियों की सेक्शुअलाइज्ड इमेज जेनरेट किए जाने के बाद भारी आलोचना हुई, जिसके बाद ग्रोक को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ी। xAI ने माना कि ग्रोक की पॉलिसी इस मामले में बैकफायर कर गई। कंपनी ने कहा कि अब इमेज जेनरेशन में सख्त सेफगार्ड्स लगाए गए हैं। नॉन कंसेंशुअल, सेक्शुअल, न्यूड या किसी भी तरह के हरमफुल कंटेंट को अब सीधे ब्लॉक किया जाएगा। एलन मस्क ने भी सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया कि अनफिल्टर्ड ट्रुथ के नाम पर एआई को पूरी तरह खुला छोड़ना सही संतुलन नहीं था। अब कंपनी यूजर सेफ्टी पर ज्यादा फोकस कर रही है।

दुनिया में डीपफेक के खिलाफ कानून और सजा क्या है

डीपफेक को लेकर अब ज्यादातर देश इसे सिर्फ टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग नहीं, बल्कि गंभीर अपराध मानने लगे हैं। खास तौर पर जब मामला बिना सहमति महिलाओं या किसी व्यक्ति की इंटीमेट तस्वीरों, वीडियो या पहचान से जुड़ा हो। ग्रोक जैसे मामलों के बाद अलग अलग देशों में कानून, सजा और प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी साफ तौर पर तय की जा रही है।

अमेरिका में क्या कानून है और क्या सजा है

अमेरिका में TAKE IT DOWN Act के तहत नॉन कंसेंशुअल इंटीमेट इमेजेस और डीपफेक को फेडरल अपराध माना गया है। इस कानून के मुताबिक किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसकी सेक्शुअल या इंटीमेट डीपफेक इमेज या वीडियो बनाना और फैलाना गैरकानूनी है। दोषी पाए जाने पर भारी जुमार्ना और जेल की सजा हो सकती है।

इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और वेबसाइट्स के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि शिकायत मिलने के 48 घंटे के भीतर ऐसा कंटेंट हटाया जाए। अगर प्लेटफॉर्म ऐसा नहीं करता है तो उस पर भी फाइन और कानूनी कार्रवाई हो सकती है। कई अमेरिकी राज्यों में चुनावों से जुड़े डीपफेक फैलाने पर अलग से आपराधिक सजा का प्रावधान है, जिसमें जेल की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

यूरोपीय यूनियन में कानून और पेनल्टी

यूरोपीय यूनियन ने एव AI Act के जरिए डीपफेक को लेकर सबसे सख्त फ्रेमवर्क तैयार किया है। इस कानून के तहत एआई से बने डीपफेक कंटेंट को साफ तौर पर लेबल करना अनिवार्य है। अगर किसी व्यक्ति की सहमति के बिना डीपफेक बनाया जाता है या उसे सेक्शुअल, भ्रामक या नुकसान पहुंचाने वाले तरीके से इस्तेमाल किया जाता है, तो यह सीधा कानून का उल्लंघन माना जाता है। सजा के तौर पर कंपनियों पर उनके ग्लोबल टर्नओवर का 6 प्रतिशत तक जुमार्ना लगाया जा सकता है। व्यक्तिगत स्तर पर डीपफेक बनाने और फैलाने वालों पर भारी फाइन और कुछ मामलों में जेल की सजा का भी प्रावधान है। प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी तय की गई है कि वे ऐसे कंटेंट को तुरंत हटाएं और रोकथाम के टूल्स लगाएं।

चीन में कितनी सख्ती है

चीन ने डीपफेक के खिलाफ बहुत पहले से सख्त कानून लागू कर रखे हैं। वहां एआई जेनरेटेड कंटेंट को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना जरूरी है। बिना लेबल डीपफेक फैलाने पर क्रिएटर और प्लेटफॉर्म दोनों के खिलाफ कार्रवाई होती है। अगर डीपफेक से किसी की छवि खराब होती है या सामाजिक नुकसान होता है, तो दोषी को भारी जुमार्ना, सोशल मीडिया बैन और गंभीर मामलों में जेल की सजा भी दी जा सकती है।

ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में सजा

ब्रिटेन में नॉन कंसेंशुअल डीपफेक को यौन अपराध की श्रेणी में रखा गया है। बिना सहमति किसी की इंटीमेट डीपफेक इमेज बनाना या शेयर करना अपराध है, जिसमें जेल और जुमार्ना दोनों हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में भी इसी तरह के कानून हैं, जहां महिलाओं या किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले डीपफेक पर आपराधिक केस दर्ज होता है। दोषी को कई साल तक की जेल और आर्थिक दंड का सामना करना पड़ सकता है।

फ्रांस और डेनमार्क का कानून

फ्रांस में डीपफेक के जरिए किसी व्यक्ति की पहचान या इमेज को नुकसान पहुंचाना आपराधिक कृत्य माना गया है। यहां सजा में जेल के साथ साथ भारी फाइन का प्रावधान है। डेनमार्क में भी नॉन कंसेंशुअल डीपफेक को सीधे प्राइवेसी और सेक्शुअल क्राइम कानूनों के तहत देखा जाता है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। रविवार 04 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

ब्रह्मांड में भटक गये प्रदीप चौहान, चिंटू जी का फाइनल एडिशन

प्रस्तुति → दीपक भाटी

चिंटू जी लगातार कई दिनों से ब्रह्मांड में भटके हुए भाजपा नेता प्रदीप चौहान को हौंसला दे रहे हैं। आप सभी जानते हैं कि कुछ दिन पहले भाजपा के अध्यक्ष मयंक गोयल और पूर्व अध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी को ब्रह्मांड की सैर पर साथ लाये थे। दोनों ने मिस्टर चौहान को ब्रह्मांड का अध्यक्ष भी घोषित कर दिया था। घोषणा करते ही दोनों को अचानक नए प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत के लिए धरती पर वापस जाना पड़ा। फिर परिस्थितियां कुछ ऐसी बनी कि दोनों वापस नहीं आ पाये। अपना शनि और मंडल ग्रह ठीक करने के लिए प्रदीप चौहान ने मिशन ब्रह्मांड पर निकले एस्ट्रोनॉट चिंटू से सम्पर्क किया था। चिंटू ने अपना वादा पूरा करते हुए उनको मंगल और शनि ग्रह का भ्रमण भी कराया था। लेकिन प्रदीप चौहान ने लापरवाही दिखाते हुए चिंटू का हाथ छोड़ दिया। जिसके बाद वो ब्रह्मांड में भटक गये। फिलहाल भटकते हुए प्रदीप चौहान को चिंटू लगातार ब्रह्मांड में सहारा दे रहा है। नीचे धरती पर प्रदीप चौहान को सकुशल वापस लाने के लिए भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल ने पार्टी के कर्मठ चेहरे एवं वरिष्ठ भाजपाई प्रेम त्यागी और वेद प्रकाश गर्ग खादी वालों को जिम्मेदारी दी है। पूर्व सांसद गुरू रमेश चंद तोमर ने जो रॉकेट उपलब्ध कराया है। उसको लांच करने की तैयारी चल रही है। ब्रह्मांड में भटक गये प्रदीप चौहान का आज फाईनल एडीशन है जिसमें काफी कुछ होना बाकी है।

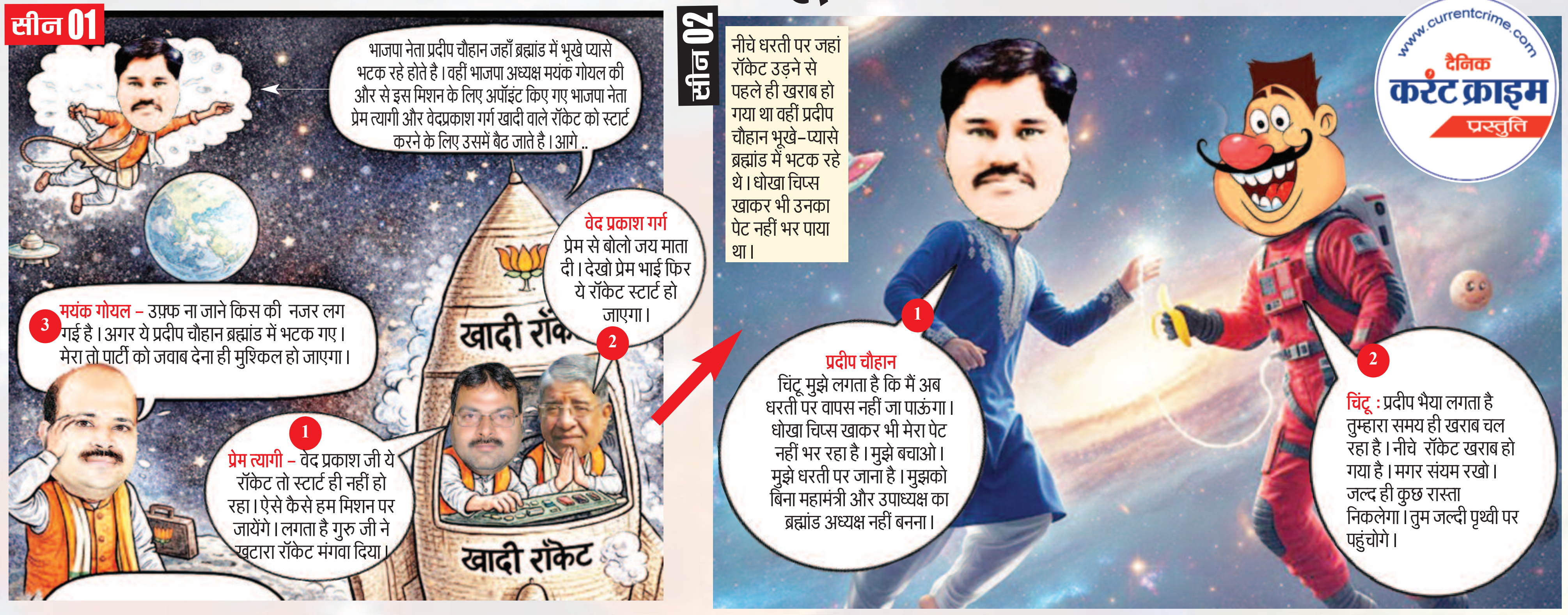

दि ऐंड : इस कॉमिक में दिखाये गये सभी किरदार एवं शब्द दैनिक करंट क्राइम की कल्पना पर आधारित हैं। इससे किसी भी स्थाई किरदार का कुछ भी लेना-देना नहीं है। प्रस्तुति मनोरंजन के लिए की गई है। डिजाइन : नरेश कुमार शर्मा

संपादकीय

वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल

इतिहास शायद वर्ष 2025 को एक ऐसे साल के रूप में याद करेगा जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने दशकों के दौरान बनी विश्व व्यापार व्यवस्था को उलट-पुलट करने का निर्णय लिया। अमेरिका द्वारा कथित जवाबी शुल्क लगाने और अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने से बड़े पैमाने पर अनिश्चितता और भ्रम उत्पन्न हुआ।

अमेरिकी नीतियों में इस बदलाव का असर आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा और आने वाले कई वर्षों तक इसका विश्लेषण किया जाएगा। अभी तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था अच्छी हालत में है। कहा जा रहा है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से संबंधित निवेश में उछाल के कारण वहां वृद्धि दर्ज की जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा व्यापार और भू-राजनीतिक उद्देश्यों को मिला कर भारत को खासतौर पर निशाने पर लिया गया। बिना किसी ठोस वजह के भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाया गया। चूंकि अमेरिका, भारत का एक महत्त्वपूर्ण कारोबारी साझेदार है इसलिए इस साल सबकी नजर साझा लाभकारी व्यापार समझौते पर होगी। वास्तव में वर्ष 2026 में व्यापार के मोर्चे पर होने वाला विकास भारत की संभावनाओं को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। अमेरिका के अलावा भारत, यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापार समझौते के करीब है। भारत कई अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताएं कर रहा है और इससे भारतीय निर्यातकों को मदद मिलेगी। व्यापार को लेकर नीतिगत खुलेपन का स्वागत किया जाना चाहिए और भारत को 2026 में इसे और आगे ले जाने पर विचार करना चाहिए। सरकार ने कई गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए हैं। ये निश्चित रूप से आयात बाधा के रूप में काम करते थे। चूंकि भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े कारोबारी साझेदारों के साथ व्यापार समझौते करना चाहता है इसलिए उसे भी शुल्क दरों में कमी करनी होगी। ऐसा करने से उसे वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल होने का अवसर मिलेगा। भारत को व्यापार समझौतों से तभी लाभ होगा जबकि घरेलू कारोबारी माहौल में टिकाऊ ढंग से सुधार हो। नियमन को नरम करने के लिए समितियां गठित की गईं और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस वर्ष किस गति से और किस पैमाने पर काम होता है। इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के आकलन और उसके प्रबंधन के तरीके में महत्त्वपूर्ण बदलाव होंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की नई श्रृंखला फरवरी में जारी की जाएगी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों का भार संभवतः कम हो जाएगा, जिससे यह अधिक स्थिर और अनुमान लगाने लायक बनेगा। वर्तमान जीडीपी श्रृंखला में वर्षों से कई मुद्दों की ओर अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है, जिनमें अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को मापने का तरीका और वास्तविक उत्पादन तक पहुंचने के लिए नॉमिनल उत्पादन के अनुमानों को घटाने की प्रक्रिया शामिल है।

तमिलनाडु में 'एश्योर्ड पेंशन स्कीम' का एलान

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में लंबे समय से लंबित 'पेंशन विवाद' पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। राज्य विधानसभा में 'तमिलनाडु एश्योर्ड पेंशन स्कीम' (टीएनएपीएस) की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने उन लाखों सरकारी कर्मचारियों की अनिश्चितता को समाप्त करने की कोशिश की है, जो 2003 के बाद से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली के लिए संघर्ष कर रहे थे।

सुरक्षा की नई गारंटी: क्या है टीएनएपीएस? : इस योजना का सीधा लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा जो 1 अप्रैल 2003 के बाद सरकारी सेवा में शामिल हुए हैं। अब तक ये कर्मचारी 'अंशदायी पेंशन योजना' (सीपीएस) के दायरे में थे, जहां रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर था। नई योजना के तहत, 25 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारी को उनके अंतिम आहरित वेतन का 50% सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा।

इतना ही नहीं, इस योजना में पारिवारिक पेंशन के प्रावधान और समय-समय पर महंगाई भत्ते (डीए) के साथ 'महंगाई राहत' (डीआर) को भी जोड़ा गया है, जो इसे पुरानी पेंशन योजना के काफी करीब ले आता है। तमिलनाडु का यह मॉडल केंद्र सरकार की 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' (यूपीएस) की तर्ज पर तैयार किया गया लगता है, जहां राजस्थान और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने पूरी तरह से ओपीएस पर लौटने का जोखिम उठाया था, वहीं तमिलनाडु ने एक 'हाइब्रिड मॉडल' चुना है।

छह लाख कर्मचारियों पर सीधा प्रभाव : तमिलनाडु में वर्तमान में लगभग छह लाख सरकारी कर्मचारी और शिक्षक इस बदलाव के केंद्र में हैं।

हाईवे के लिए गडकरी ने तुड़वा दिया था अपने ससुर का घर, ऑर्गेनिक खेती के बारे में भी किए खुलासे

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली में अपने सरकारी आवास परिसर में भी छोटे आकार में खेती करते हैं। यहां वे मिर्चियां वगैरह उगाते हैं। साथ ही उनकी पत्नी महाराष्ट्र में ऑर्गेनिक खेती करती हैं। गडकरी ने फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के वीडियो ब्लॉग में इन सब बातों के बारे में बताया।

एक किलो का बैंगन, एक किलो का प्याज : गडकरी ने बताया कि उनकी पत्नी महाराष्ट्र में जो ऑर्गेनिक खेती करती हैं, उसमें एक किलो के बैंगन और एक किलो के प्याज की पैदावार हुई है। वहां ऑर्गेनिक सब्जियां, अरहर की दाल और चने की दाल भी उगाते हैं। खेती में अक्का इस्तेमाल किया जाता है। गूगल-माइक्रोसॉफ्ट की मदद से खेती की सैटेलाइट तस्वीर निकालते हैं। उस हिसाब से सिंचाई करते हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने सरकारी बंगले के परिसर में भी खेती करते हैं और मिर्ची वगैरह उगाते हैं। बंगले पर 15-17 मोर कुछ न कुछ खाने के लिए आते हैं। सोनिया गांधी उनकी पड़ोसी हैं। दूसरी तरफ मनमोहन सिंह का बंगला था।

राजनीतिक विरासत पर कार्यकताओं का हक : गडकरी ने बताया कि हमारी जिंदगी मध्यमवर्गीय परिवार की सामान्य जिंदगी है। हमारा मानना है कि भगवान ने हमें जो दिया है, वह हमारी हैसियत से ज्यादा है। हम उसी में खुश रहते हैं। जनप्रतिनिधि होने के नाते कभी-कभी नागपुर में पांच हजार लोग भी मिलने के लिए आते हैं। हम आखिरी व्यक्ति से भी मिलते हैं, भले ही आधा मिनट बात हो। उन्होंने कहा, "मैंने बेटे से भी कहा है कि जिन कार्यकताओं ने मुझे बड़ा बनाया है, मेरी राजनीतिक विरासत पर उनका अधिकार है। मेरा बाकी सब कुछ उनका है, लेकिन मेरी राजनीतिक विरासत मेरे कार्यकताओं की है।"

जब ससुर का घर तोड़ना पड़ा : पॉडकास्ट में गडकरी की पत्नी ने बताया कि हाईवे बनाने के लिए एक बार उनके मायके का घर चला गया था। इस बात पर गडकरी ने आगे कहा कि हां, इनके पिताजी का घर तोड़ना पड़ा था। चूने की रेखा डाली और पूरा घर तोड़ना पड़ा। बदले में कुछ मुआवजा दिया गया।

15 दिन में दिल्ली से देहरादून फ्लाइट का अर्थ नहीं रहेगा : गडकरी ने कहा कि अगले 15 दिन में दिल्ली से देहरादून फ्लाइट तो बंद हो जाएगी क्योंकि दो घंटे में लोग यह दूरी सड़क से ही तय कर सकेंगे। हाईवे बनकर तैयार है।

रोचक तथ्यों का करंट

- टमाटर मूल रूप से पेरू देश से आए थे।
- साल 2013 में, एक यूके कंपनी ने 'टॉमटाटो' का एक पौधा बनाया जिसके उपरी भाग पर टमाटर उगते हैं और मिटटी के नीचे आलू।
- ठंडी जलवायु वाली जगहों में टमाटर आमतौर पर ग्लासहाउस (ग्रीनहाउस) में उगाए जाते हैं।
- दुनिया भर में टमाटर की लगभग 10,000 किस्में हैं।
- एकजापानी कंपनी ने एक रोबोट का आविष्कार किया जो आपकी पीठ पर बैठता है और आपको दौड़ते समय टमाटर भी खिलाता है।
- चीन टमाटर का सबसे बड़ा उत्पादक है, जो साल 2009 में दुनिया के उत्पादन के एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार है। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत क्रमशः दूसरे और तीसरे उत्पादक हैं।
- टमाटर पीले, गुलाबी, बैंगनी, काले और सफेद भी हो सकते हैं।
- न्यू जर्सी के सालेम में 28 जून, 1820 को टमाटर को 'परीक्षण पर' रखा गया था। एक न्यायालय के सामने, रॉबर्ट जॉनसन ने यह साबित करने के लिए टमाटर का एक ढेर खाया कि वे जहरीले नहीं थे। देखने वालों की भीड़ उसके मरने के लिए इंतजार कर रही थी। लेकिन वह मारा नहीं।

देश का विनिर्माण पीएमआई 38 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। नए निर्यात ऑर्डर और बिक्री में वृद्धि की रफ्तार धीमी होने के कारण देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर, 2025 में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। शुक्रवार को जारी एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर में कम होकर 55 पर आ गया। नवंबर, 2025 में विनिर्माण पीएमआई 56.6 के स्तर पर रहा था।

सर्वे के मुताबिक, परिचालन क्षमता पर दबाव में कमी के बीच दिसंबर, 2025 में रोजगार में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली। इस अवधि के दौरान रोजगार सृजन की रफ्तार सबसे कम दर्ज की गई।

लीमा ने निकट भविष्य को लेकर कहा, घरेलू कंपनियों को नए साल यानी 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की कार्यकारी निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की रफ्तार धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र बढ़ोतरी से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही, प्रमुख महंगाई का दबाव कम होने से कंपनियों को मांग के मोर्चे पर आगे भी समर्थन मिलते रहने की उम्मीद है।

लेकिन, समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। घरेलू विनिर्माण कंपनियों का मानना है कि प्रतिस्पर्धी कीमतें नए साल में दूसरे क्षेत्रों से नया बिजनेस लाने में मदद कर सकती हैं।

उत्पादन वृद्धि की रफ्तार 38 माह में सबसे कम : लीमा ने कहा, दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि घटकर 38 महीनों के निचले स्तर पर आ गई। कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही।

मारुति ने 2025 में रिकॉर्ड 22.55 लाख गाड़ियों का किया उत्पादन

नई दिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) निवेश 2025 में सालाना आधार पर 59 फीसदी बढ़कर 6.7 अरब डॉलर पहुंच गया। सेविल्स इंडिया के मुताबिक, कुल पीई निवेश का 76 फीसदी विदेशी संस्थागत पूंजी से आया। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस वृद्धि में विदेशी निवेशकों की प्रमुख भूमिका रही। कार्यालय सेगमेंट को सबसे अधिक 2.4 अरब डॉलर का निवेश मिला, जो कुल प्रवाह का 35.3 फीसदी है।

मारुति: रिकॉर्ड 22.55 लाख गाड़ियों का उत्पादन – मारुति सुजुकी इंडिया लि. ने कैलेंडर वर्ष 2025 में 22.55 लाख गाड़ियों का रिकॉर्ड वार्षिक उत्पादन दर्ज किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 9.3 फीसदी अधिक है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा, यह लगातार दूसरा वर्ष है जब सालाना उत्पादन 20 लाख इकाइयों के पार पहुंच गया। 2025 में उत्पादन के लिहाज से फ्रॉन्क्स, बलेनो, स्विफ्ट, डिजायर और अर्टिगा कंपनी के शीर्ष पांच मॉडल रहे।

चीन की इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी बीवाईडी ने भारत में अपनी एसयूवी सीलियन-7 के प्रीमियम संस्करण की कीमत में 50,000 रुपये की वृद्धि की है।

'गिग मॉडल की असली ताकत है लचीलापन', दीपिंदर गोयल

नई दिल्ली। जोमैटो के डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कंपनी के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने गिग मॉडल का मजबूती से बचाव किया है।

उन्होंने बताया कि 2025 में जोमैटो डिलीवरी पार्टनर्स की औसत प्रति घंटे की कमाई 10.9% बढ़कर 102 रुपये हो गई है, जो 2024 में 92 रुपये थी। दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए आंकड़ों में कहा कि अगर कोई डिलीवरी पार्टनर दिन में 10 घंटे और महीने में 26 दिन काम करता है, तो उसकी कुल मासिक कमाई करीब 26,500 रुपये होती है। ईंधन और रखरखाव जैसे खर्च निकालने के बाद नेट आय लगभग 21,000 रुपये बैठती है। यह गणना लॉग-इन समय पर आधारित है, जिसमें इंतजार का समय भी शामिल है।

गोयल ने साफ किया कि जोमैटो का गिग मॉडल फुल-टाइम नौकरी का विकल्प नहीं, बल्कि लचीला और अतिरिक्त आय का साधन है। 2025 में एक औसत डिलीवरी पार्टनर ने 38 दिन काम किया, जबकि केवल 2.3% पार्टनर्स ने 250 दिन से ज्यादा काम किया।

राशिफल

मेष: आर्थिक लाभ हो सकता है। सितारे साथ दे रहे हैं, इसलिए छोटी हो या बड़ी किसी भी अवधि की योजना बनाने में आपके प्रयास आज अच्छे परिणाम देंगे।

वृष: आज का दिन अच्छा रहेगा। उदार स्वभाव आपके लिए कई खुशी के पल लेकर आएगा। पड़ोसियों से सकारात्मक व्यवहार देखने को मिलेगा।

मिथुन: वाक्पटुता से अपने निर्धारित कार्य को करने में सक्षम होंगे। गणेश बौद्धिक चर्चा में न आने की सलाह देते हैं। खाने में कन्फेक्शनरी मिल जाती है।

कर्क: आपका संगठन आपको व्यापार के लिए विदेश भेजने की तैयारी कर रहा है। विदेश में किया गया व्यापार शुभ लाभ देगा। अवसर का भरपूर लाभ उठाएं।

सिंह: आज का दिन सरप्राइज लेकर आएगा। जिन प्रयासों को आपने व्यर्थ माना था, आज उनका फल भी आपको मिलेगा। ऑफिस में काम का बोझ बढ़ सकता है।

कन्या: आज प्रभावशाली लोगों का सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को नवीनीकृत करने का दिन है। धन लाभ होगा।

तुला: नए काम के साथ ढेर सारी जिम्मेदारियां भी सामने आएंगी। संस्थान के किसी भी तकनीकी कार्य में प्रतिभा उजागर होगी।

वृश्चिक: ज्यादातर काम पूरे होंगे। परिवार के सभी सदस्यों के रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। छात्र व्यावसायिक शिक्षा के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स में शामिल हो सकते हैं।

धनु: आज क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा। विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और आपके प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं।

मकर: दिन कार्यक्षेत्र और आर्थिक क्षेत्र में फलदायी रहेगा। अपने समर्पण और दृढ़ता का प्रतिफल प्राप्त कर रहे हैं। आर्थिक दबाव को काफी हद तक कम कर सकता है।

कुंभ: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपके सभी कार्यों में आत्मविश्वास की झलक मिलेगी, कई दिनों से चली आ रही रुकावटें आज दूर होंगी।

मीन: छात्रों के लिए थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। पढ़ाई के दौरान एकाग्रता बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। व्यापार से संबंधित समस्या का समाधान होगा।

चुटकुले

लड़की– यार कल तो मैं परेशान हो गई
बॉयफ्रेंड– वो कैसे?
लड़की– यार बस स्टॉप पर एक घंटे तक बस ही नहीं आई फिर मैंने बीएमडब्ल्यू खरीदी
बॉयफ्रेंड– वाओ तुमने बीएमडब्ल्यू खरीद ली क्या ?
लड़की– और क्या बीएमडब्ल्यू यानि बिसलेरी मिनिरल वॉटर
अरे बहुत तेज प्यास जो लगी थी।
लड़का हसंते–हंसते हो गया लोटपोट।

नई नवेली बहू घर आई,
जेठ के बच्चे बोले– आइसक्रीम बना के खिला दो,
बहू आइसक्रीम बनाने के लिए रेसिपी बुक पढ़ने लगी
थोड़ी देर बाद सास चिल्लाई– बहू ये फ्रिज में मंदिर का घंटा क्यों रखा है?
बहु शरमाते हुए बोली– माता जी, किताब में लिखा था कि दूध में चीनी डालकर 1 घंटा फ्रिज में रखें,
मैंने रख दिया।
सास बेहोश।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

घरेलू क्रिकेट में चमक रहे देवदत्त पडिक्कल

पिछली पांच पारियों में जड़े हैं चार शतक

भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के लिए बढ़ी दावेदारी

पांच पारियों में चार शतकों के साथ देवदत्त पडिक्कल इस समय टूनामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 500 से ज्यादा रन बना लिए हैं और उनका औसत व स्ट्राइक रेट दोनों 100 से ऊपर है। इसके अलावा वह अब तक 45 चौके भी लगा चुके हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) जल्द ही न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा करने वाला है। ऐसे में पडिक्कल की मौजूदा फॉर्म ने उन्हें चयन की दौड़ में मजबूती से बनाए रखा है।

नई दिल्ली। देवदत्त पडिक्कल विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने पांच पारियों में चार शतक के साथ भारत की वनडे टीम का दरवाजा खटखटाया है।

युवा भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। कर्नाटक के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शनिवार को टूनामेंट में अपना चौथा शतक जड़कर वनडे टीम में चयन की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर लिया। खास बात यह है कि पडिक्कल ने यह उपलब्धि महज पांच पारियों में हासिल की है।

पडिक्कल के 13वें लिस्ट ए शतक से कर्नाटक मजबूत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन जनवरी को खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में कर्नाटक का सामना त्रिपुरा से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कर्नाटक की टीम की शुरूआत बेहद खराब रही और महज तीन ओवरों के भीतर मयंक अग्रवाल और करुण नायर के विकेट गिर गए। स्कोर 6/2 होने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन एक बार फिर देवदत्त पडिक्कल ने पारी को संभाल लिया।

पडिक्कल ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी को स्थिरता दी और एक अहम 136 रनों की साझेदारी कर कर्नाटक को संकट से बाहर निकाला। इसके बाद उन्होंने केएल राहुल के साथ 65 रनों की अहम साझेदारी की। राहुल ने 35 रनों की तेज पारी खेली, जबकि निचले क्रम में स्मरण ने उपयोगी 60 रन जोड़े।

पडिक्कल ने 38वें ओवर में सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया और उनकी परिपक्व पारी की बदौलत कर्नाटक ने 50 ओवरों में सात विकेट पर 332 रन बनाए। यह पडिक्कल का लिस्ट-ए क्रिकेट में 13वां शतक रहा। उनका विजय हजारे अभियान अब तक बेहद शानदार रहा है।

उन्होंने टूनार्मेट की शुरूआत झारखंड के खिलाफ 118 गेंदों पर 147 रन बनाकर की थी, इसके बाद केरल के खिलाफ 137 गेंदों पर 124 रन जड़े। तमिलनाडु के खिलाफ असफलता के बाद उन्होंने पुडुचेरी के खिलाफ 113 रन बनाकर जोरदार वापसी की।

केकेआर ने मुस्तफिजुर को रिलीज किया

आईपीएल 2026 में नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने के निर्देश दिए थे जिसके बाद केकेआर ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि उन्होंने इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को रिलीज किया है। इससे यह साफ हो गया है कि मिनी नीलामी में बिकने के बावजूद मुस्तफिजुर आईपीएल 2026 का हिस्सा नहीं होंगे।

पहली बार केकेआर से जुड़े थे मुस्तफिजुर

पिछले महीने खिलाड़ियों की नीलामी में केकेआर ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रहमान को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उनका आधार मूल्य दो करोड रुपए था। चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के साथ कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद केकेआर इस 30 वर्षीय गेंदबाज को अपनी टीम से जोड़ने में सफल रहा था। रहमान को टीम में रखने के कारण केकेआर के सह-मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को भी आलोचना का सामना करना पड़ रहा था। रहमान 2016 से आठ बार आईपीएल में खेल चुके हैं। उन्होंने केवल 2019 और 2020 में टूनार्मेंट में भाग नहीं लिया था। वह सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के लिए खेल चुके हैं। तीन बार के चैंपियन केकेआर ने पहली बार उन्हें अपनी टीम से जोड़ा था।

मुस्तफिजुर रहमान आईपीएल 2026 का हिस्सा नहीं होंगे। केकेआर ने बीसीसीआई के निर्देश के बाद उन्हें टीम से रिलीज करने की पुष्टि कर दी है।

क्यों लेना पड़ा फैसला?

बीसीसीआई ने को यह फैसला मुस्तफिजुर को लेकर चल रहे विवाद के बाद लेना पड़ा। दरअसल, विवाद की जड़ में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा की घटनाएं हैं। इन्हीं घटनाओं का हवाला देते हुए भाजपा और शिवसेना के कई नेताओं ने आईपीएल में बांग्लादेशी खिलाड़ी को खेलने देने पर सवाल खड़े किए थे। विवाद को बढ़ता देख बीसीसीआई ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। अब केकेआर ने इस निर्देश का पालन करते हुए मुस्तफिजुर को टीम से रिलीज कर दिया है।

केकेआर ने की पुष्टि

केकेआर ने मुस्तफिजुर को रिलीज करने की पुष्टि करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, कोलकाता नाइट राइडर्स पुष्टि करता है कि आईपीएल के नियामक बीसीसीआई-आईपीएल ने आईपीएल के आगामी सत्र से पहले मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज करने का निर्देश दिया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर उचित प्रक्रिया और परामर्श के बाद खिलाड़ी को रिलीज कर दिया गया है। आईपीएल नियमनुसार बीसीसीआई केकेआर को रिप्लेसमेंट खिलाड़ी मुहैया कराएगा और इस बारे में आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था, हाल ही में देश भर में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, बीसीसीआई ने केकेआर फ्रेंचाइजी को निर्देश दिया है कि वे अपने एक खिलाड़ी, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दें। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि यदि केकेआर किसी रिप्लेसमेंट की मांग करता है, तो बीसीसीआई उसे इसकी अनुमति देगा।

द्विपक्षीय सीरीज में दिखेगा असर?

भारत और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने पिछले साल सीमित ओवरों की एक द्विपक्षीय सीरीज स्थगित कर दी थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि यह सीरीज इस साल सितंबर में उसके देश में ही खेली जाएगी। बीसीसीआई हालांकि इस सीरीज के कार्यक्रम को लेकर किसी तरह की प्रतिबद्धता नहीं दिखा रहा है। बांग्लादेश की अस्थिर राजनीतिक स्थिति को देखते हुए इसके लिए सहमत होने की संभावना भी कम है।

हार्दिक पांड्या ने विदर्भ के खिलाफ दिखाया दम, एक ओवर में जड़े पांच छक्के

राजकोट। विजय हजारे ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलने उतरे हार्दिक पांड्या ने दमदार बल्लेबाजी की। उन्होंने ना सिर्फ शतक लगाया, बल्कि एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाने का कारनामा भी किया।

भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना दम दिखाया। विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए हार्दिक ने दमदार शतकीय पारी खेली। इतना ही उन्होंने एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए। हार्दिक ने इस दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने 93 गेंदों में 133 रन बनाए।

हार्दिक ने 68 गेंदों पर पूरा किया शतक

बड़ौदा का स्कोर एक समय छह विकेट पर 136 रन था, लेकिन इसके बाद हार्दिक ने अपना कमाल दिखाया। उन्होंने अपनी पारी में कुल मिलाकर 11 छक्के और आठ चौके लगाए। हार्दिक ने महज 68 गेंदों पर शतक लगाया और टी20 विश्व कप के ठीक पहले बल्लेबाजी में दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अपना पहला मैच खेल रहे हार्दिक ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली। इस तरह से वह अपने 119वें मैच में लिस्ट ए में अपना पहला शतक जमाने में सफल रहे। उनकी इस पारी

की मदद से बड़ौदा ने नौ विकेट पर 293 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया।

पार्थ रेखाडे को बनाया निशाना

हार्दिक ने 39वें ओवर में विदर्भ के स्पिनर पार्थ रेखाडे को निशाना बनाया। उन्होंने इस ओवर में कुल 34 रन बटोरे, जिसमें पांच छक्के और एक चौका शामिल था। उन्होंने पहली पांच गेंदों पर छक्के लगाए लेकिन आखिरी गेंद पर चौका ही लगा सके। हार्दिक के पास छह गेंदों पर छह लगाने का सुनहरा अवसर था, लेकिन आखिरी गेंद चौका के लिए गई जिससे वह यह उपलब्धि हासिल करने से चूक गए। हार्दिक के दबदबे का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि बड़ौदा की तरफ से दूसरा सर्वोच्च स्कोर विष्णु सोलंकी का था जिन्होंने 26 रन बनाए।

श्रेयस को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए मिली मंजूरी, न्यूजीलैंड सीरीज का हो सकते हैं हिस्सा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए श्रेयस अय्यर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। श्रेयस विजय हजारे ट्रॉफी से मैदान पर वापसी करेंगे और वह हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई के लिए खेलेंगे।

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की मंजूरी मिल गई है। श्रेयस को अक्तूबर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोट लगी थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लगी थी चोट

श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते वक्त चोट लगी थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीईई) ने नवंबर की शुरूआत में बताया था कि श्रेयस कुछ दिन चिकित्सकों की निगरानी में रहेंगे। श्रेयस बंगलूरू में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में हैं। सीओई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि श्रेयस मुंबई के लिए घरेलू टूनार्मेंट के जरिये वापसी करेंगे, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता फिटनेस पर निर्भर करेगी।

पहला आरटीपी पूरा किया

एक अधिकारी ने कहा, 'श्रेयस ने दो जनवरी 2026 को अपना पहला 50 ओवर का रिटर्न टू प्ले (आरटीपी) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। वह छह जनवरी को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे जो उनका दूसरा रिटर्न टू प्ले होगा। इसके बाद ही उन्हें पूरी तरह फिट घोषित करने पर फैसला लिया जाएगा।' इस तरह श्रेयस भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अपना पहला मैच 31 दिसंबर को गोवा के खिलाफ खेला था।

वह मुंबई के लिए छह जनवरी को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले में खेल सकते हैं। हालांकि, न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 11 जनवरी से तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी हिस्सा लेंगी। वनडे सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा होगी। देखना दिलचस्प होगा कि इसमें श्रेयस का नाम शामिल रहता है या नहीं।

पंजाब की एकादश से क्यों बाहर रहे शुभमन गिल

नई दिल्ली। विजय हजारे ट्रॉफी के पांचवें दौर के मुकाबले खेले जा रहे हैं। पंजाब के लिए शुभमन गिल को भी सिक्कम के खिलाफ मैच में उतरना था, लेकिन वह प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं हैं। आइए जानते हैं किस कारण गिल इस मैच में नहीं खेल रहे हैं।

भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल शनिवार को जयपुर के जयपुरिया विद्यालया ग्राउंड में सिक्किम के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में नहीं खेले। गिल के खेलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन प्लेइंग-11 में उनका नाम नहीं देखकर हर कोई हैरान रह गया। अब इसे लेकर जानकारी सामने आई है कि गिल इस मैच में क्यों नहीं खेलने उतरे।

बीमार हैं गिल

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गिल फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए हैं। गिल को जयपुर में तीन और छह जनवरी को सिक्किम और गोवा के खिलाफ पंजाब के मैचों में खेलना था। हालांकि, उन्हें थोड़ा असहज लगा और बाद में चिकित्सा दल ने गिल को आराम करने की सलाह दी। एहतियात के तौर पर टीम प्रबंधन ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल न करने का फैसला किया। गिल की बीमारी मामूली बताई जा रही है और आगामी मैचों में उनकी उपलब्धता फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। चिकित्सा दल द्वारा उनकी निगरानी जारी रहेगी और पूरी तरह स्वस्थ होने पर उनके लौटने की उम्मीद है।

भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान गिल के 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेलने की उम्मीद है। वहीं, 20 दिसंबर को घोषित टी20 विश्व कप टीम से गिल को बाहर कर दिया गया, जिससे कई लोग हैरान रह गए। एक साल बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस बुलाया गया था और एशिया कप के दौरान उन्हें उपकप्तान बनाया गया था।

लेकिन खराब फॉर्म के चलते गिल टी20 विश्व कप टीम में जगह पक्की नहीं कर सके।

कप्तान के तौर पर होगी वापसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से शुभमन गिल की वापसी हो सकती है जो चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं थे। गिल की अनुपस्थिति में उस सीरीज में केएल राहुल ने टीम की कमान संभाली थी, लेकिन अब यह तय है कि गिल ही दोबारा टीम के कप्तान होंगे। 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए इस बात की उम्मीद कम है कि भारत टीम में कोई बदलाव करेगा।

आईएसएल निलंबन के मामले पर सामने आए छेत्री सहित अन्य फुटबॉल खिलाड़ी

नई दिल्ली। आईएसएल को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब इस मामले को लेकर सुनील छेत्री सहित भारत के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने मोर्चा खोल लिया है। इन खिलाड़ियों ने फीफा से हस्तक्षेप की अपील की है।

सुनील छेत्री सहित भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों नेफुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा से आईएसएल के निलंबन पर हस्तक्षेप की अपील की। अभी तक आईएसएल का 2025-26 सत्र शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में सीनियर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू और संदेश झिंगन ने लंबे समय से बनी अनिश्चितता पर चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि भारतीय फुटबॉल स्थायी ठहराव की स्थिति में पहुंच रहा है।

खिलाड़ी बोले- एआईएफएफ जिम्मेदारी निभाने की स्थिति में नहीं

खिलाड़ियों ने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अब अपनी जिम्मेदारियां निभाने की स्थिति में नहीं है और उन्होंने देश में खेल के भविष्य की रक्षा के लिए फीफा से आगे आने की अपील की। गुरप्रीत ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संयुक्त वीडियो बयान में कहा, 'जनवरी का महीना है और हमें इस वक्त आईएसएल के प्रतिस्पर्धी फुटबॉल मैचों में आपकी स्क्रीन पर होना चाहिए था।' झिंगन ने जोड़ा, इसके बजाय हम डर और बेबसी के चलते वह बात कहने को मजबूर हैं, जिसे हम सभी जानते हैं।

अन्य खिलाड़ियों ने कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि हम एक गुहार लगाने आए हैं। भारतीय फुटबॉल का प्रशासन अब अपनी जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम नहीं है। हम अब स्थायी ठहराव की ओर हैं। जो कुछ बचाया जा सकता है, उसे बचाने की यह आखिरी कोशिश है। इसलिए हम फीफा से अनुरोध कर रहे हैं कि वह आगे आए और भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए जो जरूरी हो, वह करे।' छेत्री ने निष्कर्ष में कहा, खिलाड़ी, स्टाफ, मालिक और प्रशंसक सभी स्पष्टता, सुरक्षा और सबसे बढ़कर एक भविष्य के हकदार हैं।

क्यों अब तक शुरू नहीं हुआ आईएसएल का सत्र?

आईएसएल के 2025-26 सत्र को जुलाई में इसलिए रोक दिया गया था क्योंकि लीग के पूर्व आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और एआईएफएफ के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह समझौता आठ दिसंबर को समाप्त हो गया जिससे एक संविदात्मक गतिरोध पैदा हो गया और इसमें उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप की भी जरूरत पड़ी। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति की निगरानी में आईएसएल के व्यावसायिक अधिकारों के लिए निविदा जारी की गई, लेकिन कोई बोलीदाता सामने नहीं आया। आईएसएल के 14 में से 13 क्लबों ने गुरुवार को एआईएफएफ को कहा कि अगर उनसे भागीदारी शुल्क नहीं लिया जाए और राष्ट्रीय संस्था टूनार्मेंट के आयोजन व संचालन की वित्तीय जिम्मेदारी ले तो वे विलंबित सत्र में भाग लेने के लिए तैयार हो सकते हैं।

सिडनी में पांचवें एशेज टेस्ट के लिए सुरक्षा कड़ी

बॉन्डी बीच गोलीबारी कांड को देखते हुए लिया फैसला

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांचवें एशेज टेस्ट के लिए सिडनी में सुरक्षा कड़ी करने का फैसला लिया गया है। बॉन्डी बीच में हुए गोलीबारी कांड के बाद प्रशासन अधिक सावधानी बरत रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच रविवार से सिडनी में एशेज सीरीज का पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मुकाबले से पहले सिडनी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सिडनी में बॉन्डी बीच गोलीबारी कांड को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। इस मैच के दौरान लंबी राइफलों से लैस पुलिस गश्त करेगी। ऑस्ट्रेलिया में किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान अमूमन इस तरह की सुरक्षा नहीं देखी जाती है।

स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना: सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में होने वाले इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। इस दौरान वदीर्धारी और घुड़सवार पुलिस के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था और दंगा नियंत्रण दस्ते के अधिकारी भी निगरानी रखेंगे। बॉन्डी बीच में तीन सप्ताह पहले हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना में कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

न्यू साउथ वेल्स राज्य के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने शनिवार को कहा कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का उद्देश्य जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना है। उन्होंने कहा, हो सकता है कि कई लोग खेल प्रतियोगिता के दौरान पुलिस को राइफल लिए देखने के आदी न हों, लेकिन हमारा उद्देश्य जनता को सुरक्षित महसूस कराना है और पुलिस बल तैनात रहेगा। पुलिस हमेशा की तरह असामाजिक और असुरक्षित व्यवहार करने वालों को निशाना बनाएगी।

एमसीजी में इसी तरह की थी सुरक्षा: मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 दिसंबर से खेले गए चौथे एशेज टेस्ट के लिए भी इसी तरह के सुरक्षा उपाय अपनाए गए थे।

वहां भी विशेष पुलिस अधिकारियों को अर्ध-स्वचालित राइफलों से लैस किया गया था और उन्होंने स्टेडियम, पास के एक पार्क और रेलवे स्टेशन के आसपास गश्त की थी।

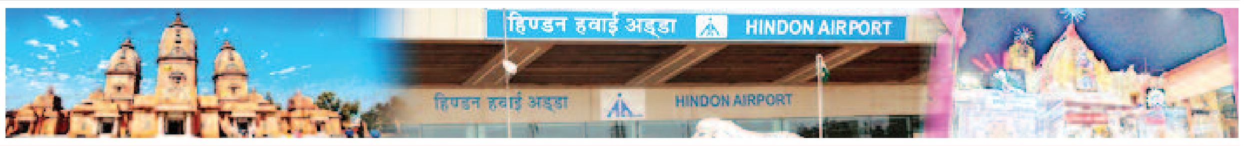

सरवंश दानी गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में नगर कीर्तन का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गुरुद्वारा दशमेश दरबार प्रताप विहार के द्वारा गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में महान नगर कीर्तन का आयोजन किया गुरु ग्रंथ साहिब जी व पांच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन गुरुद्वारा दशमेश दरबार से प्रात 10 बजे प्रारंभ होकर सम्राट चौक, थाना चौक , मेडिकल चौक होते हुए गुरुद्वारा साहिब पर ही समाप्त होगा इस नगर कीर्तन में विभिन्न स्कूलों दयाल पब्लिक स्कूल, लीलावती स्कूल, ईस्ट दिल्ली पब्लिक स्कूल,के बच्चे तथा गतका पार्टी के साथ-साथ पंजाब का बैंड तथा विभिन्न गुरुद्वारों से आई हुई संगत कीर्तन करते हुए चली।

विभिन्न संस्थाओं के द्वारा नगर कीर्तन की संगत का स्वागत तथा उनके जलपान का भी आयोजन किया गया है उक्त आयोजन में विधायक संजीव शर्मा,भाजपा अध्यक्ष मयंक गोयल , भाजपा वरिष्ठ नेता सरदार एस पी सिंह केके शुक्ला व अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी गण तथा पत्रकार बंधु विशेष रूप उपस्थित रहे हैं।

मुख्य संरक्षक हरप्रीत सिंह जग्गी , अध्यक्ष हरजीत सिंह , सचिव सुखविंदर सिंह ने सभी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। नगर कीर्तन में मुख्य रूप से सरदार इकबाल सिंह सोढी मंजीत सिंह सेठी,जसवीर सिंह जगमोहन सिंह,गगन अरोरा 'दयाल' सिंह, संदीप सिंह इंद्रजीत टीटू,गौरव चोपड़ा, आदि।

मॉल में नामी कंपनियों का टैग लगाकर कपड़े बेचने वालों पर प्राथमिकी दर्ज

नोएडा। मॉल के अंदर दुकान में नामी कंपनियों के फर्जी टैग और लेबल लगाकर कपड़े बेचने वाले दुकान के मालिक समेत दो लोगों के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-113 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान लाखों रुपये के कपड़े बरामद किए गए हैं। जिन पर कंपनियों के टैग लगे हुए थे।

बिहार के रहने वाले दीपक राम यूनाइटेड कंपनी में फील्ड ऑफिसर हैं। कंपनी का कार्यालय दिल्ली मथुरा रोड पर है। दीपक पोलो, जॉर्डन और नाइक समेत अन्य नामी कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधि हैं और कंपनियों के कॉपीराइट और ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जांच करने और केस दर्ज कराने के लिए अधिकृत हैं।

कुछ दिन पहले दीपक को सूचना मिली कि सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम मेट्रो मॉल में फहर फैशन हब नाम की दुकान पर नामी कंपनियों के कपड़ों को बेचा जा रहा है। कपड़ों पर उनकी कंपनियों का टैग लगाया जाता है। इसके बाद पुलिस टीम के साथ मिलकर जब शिकायतकर्ता ने दुकान पर छापेमारी की तो वहां नामी कंपनियों के टैग लगे हुए भारी संख्या में कपड़े और जैकेट मिले।

कोतवाली सेक्टर-113 के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा का कहना है कि दुकान मालिक फारुख अहमद और इसके सहयोगी नौशाद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नहर में मिले गोवंश के अवशेष भड़के हिंदू संगठन

हापुड़। दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग 09 पर अठसैनी नहर में गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना से क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और इसके बाद हाइवे पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया। गोवंश के अवशेष मिलने को लेकर लोगों में गुस्सा इस कदर बढ़ गया कि कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा।

हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह घटना प्रशासन और पुलिस की गंभीर लापरवाही का नतीजा है। उनका कहना था कि गोवंश की सुरक्षा को लेकर शासन और प्रशासन बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। कार्यकर्ताओं ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

हंगामे की सूचना मिलते ही सीओ स्तुति सिंह और इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह बिष्ट पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और अवशेषों की जांच कराई जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि घटना किस प्रकार और किन लोगों द्वारा की गई। काफी देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस अधिकारियों के आश्वासन पर स्थिति कुछ हद तक शांत हुई।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा। अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। सेक्टर-62 फुटओवर ब्रिज के पास सड़क किनारे खड़े पिकअप वैन से टकराकर स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई, जबकि एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र में एडवंट टावर के पास सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई। दोनों मामलों में संबंधित कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मूलरूप से एटा के जीसुखपुर गांव की रहने वाली काजल राठौर ने पुलिस से शिकायत की है कि उनके पति कुंवर पाल सिंह नोएडा के शहदरा गांव में रहते थे और एक सोसाइटी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। दो दिन पहले दिल्ली की तरफ जाते अज्ञात वाहन ने कुंवर पाल को टक्कर मार दी। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं गाजियाबाद के भोपुरा की रहने वाली रुपाली पुरोहित के भाई राहुल 27 दिसंबर को दिल्ली की ओर जा रहा था। सेक्टर-62 फुटओवर ब्रिज के पास पवन महिंद्रा पिकअप वाहन खड़ा किए हुए था। राहुल की स्कूटी वाहन से टकरा गई थी। वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया था। राहुल को घायलावस्था में दिल्ली के लाल बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। एडीसीपी नोएडा शैव्या गोयल ने बताया कि दोनों मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच की जा रही है।

घर के पीछे खेत में गंभीर हालत में मिली पांच साल की बच्ची, अस्पताल में मौत; अनहोनी की आशंका

सिकंदराबाद। पीड़ित ने बताया कि शुक्रवार की शाम में उनकी पांच वर्षीय बेटी अचानक लापता हो गई। इसके बाद उन्होंने कॉलोनी के लोगों, परिचितों के साथ बेटी की तलाश शुरू की। बेटी मकान के पीछे ही खेत में गंभीर हालत में पड़ी हुई मिली।

यूपी के हापुड़ स्थित सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार शाम एक छह वर्षीय मासूम बच्ची अपने घर के पीछे खेत में गंभीर हालत में पड़ी मिली, जिसको अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में मासूम के साथ दुष्कर्म की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही एसपी देहात डॉ. तेजवीर सिंह और सीओ भास्कर कुमार मिश्रा ने भारी पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है।

मूल रूप से फिरोजाबाद निवासी एक युवक औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता है और यहां अपनी छह वर्षीय बेटी व परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। शुक्रवार शाम करीब छह बजे बच्ची अचानक घर के सामने से लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की, तो मासूम मकान के ठीक पीछे खेत में लहूलुहान और अचेत अवस्था में मिली।

परिजन तुरंत उसे सिकंदराबाद के सरकारी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिस मकान में पीड़ित परिवार रहता है, उसी में फैक्ट्री में काम करने वाले दो अन्य युवक भी किराए पर रहते हैं। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन दोनों युवकों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक पकड़े जाने के समय नशे की हालत में थे।

बहुजन जागरूकता मिशन ने किया विचार गोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

गाजियाबाद। माता सावित्रीबाई फुले के जन्मदिवस के अवसर पर दिनांक 3 जनवरी, दिन शनिवार को के एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल सुभाष नगर घुकना गाजियाबाद में बहुजन जागरूकता मिशन के तत्वाधान में विचार गोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, अध्यापक, अध्यापिकाओं, छात्र छात्राओं ने माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। उसके बाद छात्र छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओं की भाषण प्रतियोगिता की गई जिसमें भाग लेने वाले सभी छात्र छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओं को सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं में स्कूल प्रबंधक राजेंद्र कुमार,

प्रधानाचार्या कोमल शर्मा, सर्वेश मैडम, बहुजन जागरूकता मिशन से दीपक पुष्कर प्रवेश कुमार, इंजी. एस पी गौतम अध्यापिका आरती मैडम आदि ने माता सावित्रीबाई फुले जी के जीवन संघर्ष और बलिदान के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। मंच संचालन दीपक पुष्कर और आरती मैडम ने किया। इस अवसर पर बहुजन जागरूकता मिशन टीम द्वारा स्कूल में साफ सफाई करने वाली 4 महिलाओं को भी सम्मान प्रतीक देकर सम्मानित किया गया। अंत में बहुजन जागरूकता मिशन के संयोजक इंजी. एस पी गौतम ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्र छात्राओं एवं अध्यापक अध्यापिकाओं को उनकी परफॉर्मेंस के लिए सभी को शुभकामनाएं दी और धन्यवाद दिया। के एस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्रबंधक राजेंद्र कुमार और प्रबंधिका अंजू मैडम, दोनों स्कूल की प्रधानाचार्या कोमल शर्मा और सर्वेश मैडम का भी इतनी अच्छी व्यवस्था करने के लिए हृदय से आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया । स्कूल के प्रबंधक राजेंद्र कुमार ने बहुजन जागरूकता मिशन की समस्त टीम को अपनी और पेन, डायरी और कैलेंडर देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में केक काटकर माता सावित्रीबाई फुले जी का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में स्कूल प्रबंधक राजेंद्र कुमार, प्रबंधिका अंजू मैडम, प्रधानाचार्या कोमल शर्मा, सर्वेश मैडम, बहुजन जागरूकता मिशन के संरक्षक आनंद प्रकाश, लिखीचंद, संयोजक इंजी. एस पी गौतम, कोषाध्यक्ष प्रवेश कुमार, प्रवक्ता दीपक पुष्कर, मीडिया प्रभारी जुगनू गौतम, गार्गी गौतम, म्यूजिक टीचर आरती मैडम, समस्त स्कूल स्टाफ और छात्र छात्राएं उपस्थित हुए।

10,000 फ्लैटों की रजिस्ट्री के लिए 51 बिल्डरों को फिर मौका

नोएडा। अमिताभकांत समिति की सिफारिशों पर बनी जीरो पीरियड पॉलिसी के तहत एक बार फिर नोएडा प्राधिकरण बकायेदार बिल्डरों को मौका देगा। शनिवार को हुई 221वीं बोर्ड बैठक में इस फैसले पर मुहर लगी। अब प्राधिकरण 51 बिल्डरों को पॉलिसी के लाभ के साथ बकाया जमा करने के लिए समय देगा। इन परियोजनाओं में दस हजार से ज्यादा फ्लैटों की रजिस्ट्री होनी हैं। प्राधिकरण ने नवंबर 2025 में अंतिम नोटिस जारी कर समयावधि पूरी होने का हवाला देकर पॉलिसी बंद कर दी थी।

शनिवार को नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर-6 स्थित बोर्ड रूम में चेयरमैन व औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई। नोएडा प्राधिकरण की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक जीरो पीरियड पॉलिसी दोबारा खुलने से 51 ग्रुप हाउसिंग परियोजनाओं के फ्लैट खरीदारों और बकायेदार बिल्डरों को राहत मिलेगी। पॉलिसी में 25 प्रतिशत बकाया जमा करने के बाद बाकी धनराशि की किस्तें नहीं जमा की जा रही थीं। जिसके बाद नवंबर 2025 में प्राधिकरण ने अंतिम नोटिस जारी कर डिफाल्टर घोषित कर दिया था। वहीं 11 बिल्डरों ने 25 प्रतिशत पूरी धनराशि नहीं जमा कर आंशिक धनराशि जमा की थी। इनको लाभ देने के मानक से बाहर कर दिया गया था। अब यह बिल्डर अपना बकाया जमा कर सकेंगे और छूट बरकरार रहेगी। इन परियोजनाओं में दस हजार से ज्यादा फ्लैटों की रजिस्ट्री होनी हैं।

पॉलिसी का शासनादेश आने के बाद 57 बिल्डरों पर 9,000 करोड़ रुपये से ज्यादा प्राधिकरण का बकाया दिसंबर 2023 में था। दो साल का जीरो पीरियड देने की गणना करवाकर प्राधिकरण ने 1,500 करोड़ रुपये की राहत दी थी।

इनमें एनजीटी प्रभाव क्षेत्र में आने वाली 13 परियोजनाओं को 180 करोड़ रुपये राहत नोएडा प्राधिकरण ने 25 प्रतिशत बकाया मिलने के बाद दी। प्राधिकरण की तरफ से छोड़े गए कुल 1,680 करोड़ रुपये के सापेक्ष 36 बिल्डरों ने 872 करोड़ रुपये बकाया जमा कराया है। जिससे 4134 फ्लैट खरीदारों की रजिस्ट्री हुई।

परचून की दुकान में आग लगने से लाखों का नुकसान

नोएडा। कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित बाजार में शुक्रवार की रात परचून की दुकान में अचानक आग लग गई। दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। दमकल की गाड़ियों ने आग को बुझाया। जानकारी के अनुसार, दादरी नगर के जीटी रोड स्थित बाजार में प्रमोद कुमार की परचून की दुकान है।

शुक्रवार की शाम दुकान बंद कर घर चले गए। रात करीब 11 बजे दुकान से धुआं निकलने लगा। आग लगने की घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दमकल की गाड़ियों को बुलाया।

दुकान में करीब 10 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान बताया गया है। एसीपी प्रशाली गंगवार का कहना है कि आग लगने के कारणों की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे रोड पर दुकान में तोड़फोड़ कर मारपीट

नोएडा। रेलवे रोड पर इलेक्ट्रॉनिक की दुकान करने वाले शख्स के साथ मारपीट की गई। दुकान के शीशे तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिए गए। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पीड़ित ने दो नामजद व 15 अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दादरी कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड स्थित शिव नगरी में हिमांशु गोयल परिवार के साथ रहते हैं। नगर के रेलवे रोड पर उनकी मयंक इलेक्ट्रॉनिक के नाम से दुकान है। करीब तीन माह पहले दुकान से दिलशाद ने फ्री डिश बॉक्स लिया था।

अनिल छोंकर बने जेवर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

▸ **जेवर तहसील बार एसोसिएशन का हुआ चुनाव, गौरव गौड़ बने सचिव**

नोएडा। /जेवर। तहसील जेवर बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर शनिवार को चुनाव हुआ। चुनाव में अध्यक्ष पद पर अनिल छोंकर ने जीत दर्ज की है। जबकि सचिव पद पर गौरव गौड़ चुने गए। वहीं कोषाध्यक्ष पद पर राकेश कुमार को चुना गया है। अध्यक्ष पद पर अनिल छोंकर को कुल 100 मत प्राप्त हुए। उनके प्रतिद्वंदी रविंद्र सिंह को 46 मत मिलें। वहीं सचिव पद पर गौरव गौड़ ने अपने प्रतिद्वंदी चंद्रपाल सिंह को पराजित किया। कोषाध्यक्ष पद पर राकेश कुमार ने जीत हासिल की। चुनाव के दौरान अधिवक्ताओं के हित, बार की बुनियादी समस्याएं, सुविधाओं का विस्तार और कार्य व्यवस्था को मजबूत करने जैसे मुद्दे प्रमुख रहें। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने अधिवक्ताओं के हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का भरोसा दिलाया है। वहीं उपाध्यक्ष, लेखा परीक्षक व सहसचिव पद पर निर्विरोध चयन हुआ।

उपाध्यक्ष पद पर केशव कुमार, सहसचिव पद पर विवेक कुमार और लेखा परीक्षक पद पर ललित कुमार को निर्विरोध चुना गया। इन पद पर केवल एक ही नामांकन भरा गया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव विदितचौधरी ने ली कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक

कांग्रेस भी आ गई चुनावी मोड में, 5 जनवरी से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में निकालेगी पदयात्रा

गाजियाबाद करंट क्राइम। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में शनिवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया। मासिक बैठक में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सचिव विदित चौधरी और कोऑर्डिनेटर पंडित राजकुमार शर्मा ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। बैठक में राष्ट्रीय सचिव विदित चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। कार्यकताओं को अभी से कमर कस लेनी होगी।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने की। संचालन अश्विन त्यागी ने किया। राष्ट्रीय सचिव विदित चौधरी और गाजियाबाद कोऑर्डिनेटर पंडित राजकुमार शर्मा ने सभी फ्रंटल पदाधिकारी से परिचय प्राप्त किया ।जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि गाजियाबाद के सभी पांच विधानसभा में कांग्रेस विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है अबकी बार सभी पांच विधानसभा में कांग्रेस का परचम लहराया

जाएगा इसके लिए सभी कार्यकताओं ने तैयारी पूरी कर ली है। बूथ और ब्लॉक लेवल पर कमेटियों का गठन कर दिया गया है कार्यकर्ता कांग्रेस के नीति और राहुल गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में गाजियाबाद के सभी मंडल अध्यक्ष बूथ अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष सभी फ्रंटल के अध्यक्षों की अहम भूमिका रहेगी।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले अभी एक टेस्ट होने जा रहा है जो की पंचायत चुनाव का है। जिसमें हमें कांग्रेस पार्टी के ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधियों को चुनाव जीतकर 2027 की नींव रखने का कार्य करना होगा।

बैठक में जिला अध्यक्ष ने कहा कि गाजियाबाद के चारों ब्लॉकों में मीटिंग हुई पद यात्राएं की जाएगी। शुरूआत 5 जनवरी 2026 मुरादनगर ब्लॉक से होगी।

राष्ट्रीय सचिव विदित चौधरी ने कहा भाजपा झूठे वादों में जनता को फंसा देती है कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भाजपा की इस चाल से सजग रहना है। गाजियाबाद जिले में असामाजिक तत्व नई-नई वारदात कर रहे है। वीडियो बनाकर तलवारे बांट रहे हैं जिससे आम जनता में भाऐ का माहौल पैदा हो रहा है। इन लोगों को कहीं ना कहीं कोई संरक्षण जरूर प्राप्त है।

बैठक में जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव आईसीसी मेंबर विदित चौधरी, वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व महानगर अध्यक्ष पंडित ओम प्रकाश शर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी सतीश त्यागी, गाजियाबाद कोऑर्डिनेटर पंडित राजकुमार, लोकेश चौधरी, सुनील चौधरी, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज कुमार राय, महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, लज्जा यादव, नीरज प्रजापति, विधानसभा प्रत्याशी, मुरादनगर व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष विनोद शर्मा, पूर्व महानगर मनोज कौशिक, आशुतोष गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी, अश्वनी त्यागी कोषाध्यक्ष, ओम दत्त गुप्ता, उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी रामवीर सिंह, सुरेंद्र कुमार,राजकुमार, अमित शर्मा, डोली त्यागी, मोहम्मद इरफान, हकीकत, राजेंद्र शर्मा, सतीश त्यागी उमेश त्यागी विनोद त्यागी राजकुमार मनोज कुमार संजीव सिंह तरुण शर्मा राजकुमार शर्मा अरुण कुमार शर्मा जाकिर हुसैन के आर वी श्रीवास्तव धीरेंद्र ध्यान उदय सिंह अमित गोयल राजेंद्र शर्मा आचार्य विकास कुमार सुरेंद्र कुमार शर्मा शशि देवी राजा राम भारती संजीव जगदीश सैनी दिनेश कुमार करम चंद शर्मा कृष्ण राधा गौरव त्यागी हसीन सैनी जाफर सैनी उमेश शर्मा जाकिर हुसैन कंसल आबिद अली नरेंद्र सिंह विपिन गुर्जर इरफान सुशील नंदकिशोर नीम त्यागी चांद सिंह जय भवानी लालाराम चौधरी विजेंद्र सिंह आशीष शर्मा श्री मेल पाल अजय शर्मा आदि उपस्थित थे।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

Sanjeev Sharma
10h ·

आज प्रताप विहार गुरुद्वारा में छोटे बच्चे जो संकीर्तन में जाने के लिए सुबह ही तैयार हो गए थे उनके साथ फोटो खिंचवाने में बहुत अच्छा लगा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। शहर विधायक संजीव शर्मा जब प्रताप विहार गुरुद्वारा में पहुंचे तो यहां वह संकीर्तन में जाने के लिए तैयार छोटे बच्चों को देखकर बेहद प्रसन्न हुए। यह प्रसन्नता इस बात की थी कि भावो पीढ़ी अपने संस्कारों को सीख रही है। वो पंथ को लेकर, अपने धर्म को लेकर जागरुक है। शहर विधायक संजीव शर्मा को इन छोटे बच्चों के साथ फोटो खिंचवाना बेहद अच्छा लगा। संजीव शर्मा ने इस फोटो को अपनी फेसबुक पोस्ट बनाया। शहर विधायक संजीव शर्मा की यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

अमेरिका-वेनेजुएला विवादः ट्रंप ने 300 अरब बैरल तेल भंडार वाले देश पर क्यों किया हमला, 'नशा' बना बहाना

वेनेजुएला। अमेरिका ने शनिवार को दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला पर हमला बोला। बताया गया है कि यह हमले राजधानी काराकास में किए गए। इस घटना के कई वीडियो वायरल हुए, जिसके बाद खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अमेरिकी हमलों के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ लिया गया और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया है।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर अमेरिका और वेनेजुएला में हाल ही में क्या हुआ है?, दोनों देशों के बीच वर्षों पुराना विवाद किस वजह से है?, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो कि लगातार दुनिया में शांति लाने के दावों के साथ अपने लिए नोबेल की मांग करते रहे हैं, वे वेनेजुएला को निशाना क्यों बना रहे हैं? वॉशिंगटन-काराकास विवाद में पर्दे के पीछे की कहानी क्या है?

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच हाल में क्या हुआ है?

अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवाद वर्षों पुराना है। यह बीते कुछ साल में जबरदस्त रूप से उभरा है। ताजा विवाद से जुड़े घटनाक्रमों की सूची इस तरह है...

1. नावों को निशाना बनाना शुरू किया

सितंबर 2025 से ट्रंप ने वेनेजुएला को धमकाना शुरू किया और प्रतिबंधों के साथ उसकी नावों पर हमले बोले। अमेरिकी बलों ने अब तक पूर्वी प्रशांत महासागर में स्थित कैरिबियन में वेनेजुएला की दो दर्जन से ज्यादा नावों पर हमला बोला है। इनमें 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबरें हैं। अमेरिका का दावा है कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक

अमेरिका और वेनेजुएला में हाल ही में क्या हुआ है?, दोनों देशों के बीच वर्षों पुराना विवाद किस वजह से है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो कि लगातार दुनिया में शांति लाने के दावों के साथ अपने लिए नोबेल की मांग करते रहे हैं, वे वेनेजुएला को निशाना क्यों बना रहे हैं? वॉशिंगटन-काराकास विवाद में पर्दे के पीछे की कहानी क्या है?'

पदार्थों की तस्करी की जा रही थी। दूसरी तरफ वेनेजुएला ने कहा है कि अमेरिका के पास दावों से जुड़े सबूत नहीं हैं। वेनेजुएला ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भी उठाया है। अमेरिका ने अब तक वेनेजुएला की नावों में मादक पदार्थ ले जाने जाने से जुड़े सबूत नहीं दिए हैं।

2. कैरिबियाई सागर में तैनात अमेरिकी युद्धपोत

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय- पेंटागन ने अक्तूबर में अमेरिकी नौसेना के सबसे खतरनाक और आधुनिक युद्धपोतों में से एक यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को कैरिबियाई सागर में तैनात कर दिया। इसके अलावा वेनेजुएला के आसपास 5000 अमेरिकी सैन्यबलों की तैनाती भी की गई है, जबकि अमेरिका के 15,000 बलों को दक्षिण अमेरिका में तैनात किया गया है। यह कैरिबियाई क्षेत्र में पिछले कई वर्षों में सबसे बड़ी तैनाती है।

3. वेनेजुएला की घेरेबंदी, तेल टैंकरों की जब्ती

अमेरिकी बलों ने कैरिबियाई क्षेत्र में वेनेजुएला के तेल टैंकरों की जब्ती भी जारी रखी है। दरअसल, अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला के तेल पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में वह वेनेजुएला का तेल ले जा रहे टैंकरों को खुले तौर पर जब्त कर रहा है। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन ने बीते दिनों में वेनेजुएला की नौसैन्य घेरेबंदी भी कर दी।

4. ट्रंप खुद बोले- सीआईए को दी वेनेजुएला पर कार्रवाई की मंजूरी

ट्रंप ने एक मौके पर कहा था कि उन्होंने वेनेजुएला के खिलाफ खुफिया कार्रवाई को मंजूरी दे दी है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अमेरिका के हमले जल्द ही कैरिबियाई सागर में नावों से आगे बढ़कर वेनेजुएला के अंदर तक पहुंच सकते हैं।

इस दौरान यह भी सामने आया था कि ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से फोन पर बात की थी, जिससे संकेत मिला था कि वे कूटनीति से मसले का हल निकालना चाहते हैं।

न्यूयॉर्क में चलेगा मादुरो और उनकी पत्नी पर केस

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने दी जानकारी

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने शनिवार को वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमला बोला। अमेरिक वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को बंधक बनाकर अपने देश ले गए हैं। इसी बीच इस पूरे घटनाक्रम पर अमेरिकी अटॉर्नी का बयान सामने आया है। अमेरिका निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस पर मुकदमा चलाने की तैयारी कर रहा है।

अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने कहा है कि वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को न्यूयॉर्क में आरोप तय होने के बाद आपराधिक आरोपों का सामना करना पड़ेगा।

बोंडी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह कपल जल्द ही अमेरिकी धरती पर अमेरिकी अदालतों में अमेरिकी न्याय का सामना करेगा। मादुरो पर 2020 में न्यूयॉर्क में आरोप तय किए गए थे, हालांकि यह साफ नहीं है कि उनकी पत्नी पर भी आरोप तय किए गए थे।

बस ड्राइवर जो बना वेनेजुएला का राष्ट्रपति, अमेरिका से हुई तनातनी

वेनेजुएला। अमेरिका ने जिन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंधक बनाया है, वे कौन हैं? वेनेजुएला की राजनीति में उनकी क्या भूमिका रही है? अमेरिकी सरकार उनसे किस बात पर नाराज रही है? इसके अलावा ट्रंप प्रशासन की ऐसी क्या नाराजगी थी कि वेनेजुएला पर कार्रवाई के साथ मादुरो को कैद करने जैसा कदम उठाया गया? अमेरिका ने शनिवार को वेनेजुएला पर जबरदस्त हमला बोला। वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर की गईं एयरस्ट्राइक के कई वीडियो सामने आए हैं, जिनमें बड़े बम विस्फोट और आग भड़कते देखा जा सकता है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने कैद कर लिया है और उन्हें देश से बाहर भेज दिया गया है।

फिलहाल यह साफ नहीं है कि उन्हें कहां कैद कर रखा जाएगा, लेकिन दुनियाभर में अमेरिका के इस कदम को लेकर चिंताएं जाहिर की गई हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच यह जानना अहम है कि अमेरिका ने जिन वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बंधक बनाया है, वे कौन हैं? वेनेजुएला की राजनीति में उनकी क्या भूमिका रही है?

बताया जाता है कि निकोलस मादुरो राजनीति में आने से पहले राजधानी काराकास में एक बस ड्राइवर थे। अपने इसी पेशे के दौरान ही पहली बार उनका राजनीति से परिचय तब हुआ, जब उन्हें बस ड्राइवरों की यूनियन का नेता चुना गया। बताया जाता है कि यूनियन लीडर के तौर पर उन्होंने कई प्रदर्शनों में अहम भूमिका निभाई और एक वाम नेता के तौर पर स्थापित हुए।

1992 में जब वेनेजुएला में सैन्य अफसर रह चुके ह्यूगो शावेज ने सरकार के तख्तापलट की असफल कोशिश की तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। इस घटना के बाद निकोलस मादुरो ने जोर-शोर से शावेज को जेल से निकालने के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति कार्लोस आंद्रेस पेरेज के खिलाफ आंदोलन किया। ऐसे में दबाव के बाद जब पेरेज सरकार ने शावेज को छोड़ा तो वह मादुरो ही थे, जिन्होंने ह्यूगो शावेज को राजनीतिक तौर पर खड़े होने में मदद की।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत, खोकन चंद्र दास ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले थम नहीं रहे। शरियतपुर जिले में पेट्रोल डालकर जिंदा जलाए गए हिंदू दुकानदार खोकन दास की अस्पताल में मौत हो गई।

ढाका। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था।

डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

कैसे हुआ हमला?

स्थानीय अखबार प्रथम आलो के

अनुसार, यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग से बचने की कोशिश में खोकन दास पास के तालाब में कूद गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। गंभीर हालत में उन्हें पहले शरियतपुर सदर अस्पताल और फिर ढाका रेफर किया गया था।

परिवार का दर्द और इंसाफ की मांग: खोकन दास की पत्नी सीमा दास, गोद में छोटे बच्चे को लिए फूट-फूटकर रोती नजर आईं। उन्होंने कहा मेरे पति रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उन्होंने कहा कि परिवार की किसी से दुश्मनी नहीं है और किसी तरह का कोई विवाद भी नहीं था, फिर भी इस तरह का हमला क्यों हुआ, यह समझ से बाहर है। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। खोकन दास के रिश्तेदार प्रांतो दास ने कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए।

पुलिस का क्या कहना है?

दामुदिया थाने के प्रभारी मोहम्मद रबिउल हक के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों रब्बी और सोहाग की पहचान कर ली है। दोनों स्थानीय निवासी हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

नावों पर हमलों के बाद बचे लोगों की तलाश जारी

न्यूयार्क। अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने कहा है कि पूर्वी प्रशांत महासागर में उन लोगों की तलाश अब भी जारी है, जो ड्रग तस्करी के आरोप वाली नावों पर अमेरिकी सैन्य हमलों के दौरान समुद्र में कूद गए थे। हालांकि, घटना को कई दिन बीत जाने के बाद किसी के जिंदा मिलने की संभावना काफी कम होती जा रही है। कोस्ट गार्ड के मुताबिक, मंगलवार दोपहर को खोज अभियान शुरू किया गया, जब अमेरिकी सेना ने सूचना दी कि मेक्सिको-ग्वाटेमाला सीमा से करीब 400 मील दूर समुद्र में कुछ लोग मौजूद हो सकते हैं। इसके बाद सैक्रामेंटो से एक विमान भेजा गया, जिसने 1,000 मील से ज्यादा क्षेत्र में तलाशी ली और आसपास से गुजर रहे जहाजों को भी अलर्ट किया गया।

एजेंसी ने बताया कि अब तक 65 घंटे से अधिक समय तक खोज अभियान चलाया गया है, जिसमें अन्य देशों और नागरिक जहाजों का भी सहयोग लिया गया।

उत्तर कोरियाः किम जोंग उन की बेटी बन सकती है उत्तराधिकारी

कोरिया। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बेटी किम जु ऐ ने पहली बार अपने परिवार के पवित्र मकबरे कूमसुसान पैलेस ऑफ द सन का दौरा किया। विशेषज्ञों का मानना है कि नए साल पर उठाया गया यह कदम उसे अपने पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा संकेत है। 13 वर्षीय जु ऐ को प्योंगयांग में अपने माता-पिता के साथ अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर सम्मान व्यक्त करते देखा गया। कूमसुसान पैलेस को उत्तर कोरियाई शासन की वैधता का प्रतीक माना जाता है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि उसे आगामी वर्कर्स पार्टी कांग्रेस में किसी उच्च पद पर नियुक्त किया जा सकता है। गौरतलब है कि, किम जोंग उन 1948 से शासन कर रहे अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी के नेता हैं।

एरिजोना राज्य के पहाड़ी इलाके में निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट और तीन महिलाओं की मौत

अमेरिका। अमेरिका के एरिजोना राज्य में एक निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और तीन महिलाओं की मौत हो गई। संघीय विमानन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस हादसे की जांच कर रहे हैं।

अमेरिका के एरिजोना राज्य के एक पहाड़ी इलाके में शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को एक निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

मृतकों में पायलट (59 वर्षीय), दो महिलाएं (21 वर्षीय) और एक महिला (22 वर्षीय) शामिल हैं। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी दी। मृतकों के नाम अभी जारी नहीं किए गए हैं।

शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 11 बजे टेलीग्राफ कैन्यन के पास हुआ, जो फीनिक्स से करीब 64 मील (103 किलोमीटर) पूर्व में स्थित है। बताया गया कि हेलिकॉप्टर पहाड़ों के बीच लगे एक मनोरंजन के लिए लगाए गए चौड़ी रस्सी' से टकरा गया, जिसकी लंबाई एक किलोमीटर से अधिक थी।

शेरिफ कार्यालय ने बताया कि 911 पर कॉल करने वाले एक चश्मदीद ने कहा कि उसने हेलिकॉप्टर को उस रस्सी के एक हिस्से से टकराते हुए देखा, जिसके बाद वह नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे की जांच संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहे हैं।

हेलिकॉप्टर ने क्वीन क्रीक शहर के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, जो दुर्घटनास्थल से करीब 29 मील (47 किलोमीटर) पश्चिम में है। दुर्घटनास्थल दूर-दराज का इलाका होने के कारण बचाव दल को पैदल पहुंचने में कई घंटे लगे। शेरिफ कार्यालय ने कहा, सुरक्षा कारणों के चलते हादसे के बाद उस इलाके के ऊपर उड़ानों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई थी। हमारी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

पहले बगदादी, अब मादुरो को उठाने वाली डेल्टा फोर्स क्या है

वॉशिंगटन। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद डेल्टा फोर्स चर्चा में है। रिपोर्टों के मुताबिक, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी विशेष बलों ने हिरासत में लिया। डेल्टा फोर्स अमेरिका की सबसे गोपनीय और ताकतवर यूनिट मानी जाती है। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

वेनेजुएला में कथित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद एक बार फिर अमेरिकी सेना की सबसे गोपनीय और ताकतवर इकाई डेल्टा फोर्स सुर्खियों में है। रिपोर्टों के अनुसार, वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को अमेरिकी विशेष बलों ने हिरासत में लिया। इस दावे के बाद यह सवाल उठ रहा है कि आखिर डेल्टा फोर्स क्या है, इसकी भूमिका क्या होती है और यह किन-किन बड़े अभियानों में शामिल रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका ने वेनेजुएला में बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई की और राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को देश से बाहर ले जाया गया। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताई गई कि किस इकाई ने यह ऑपरेशन किया, लेकिन अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया कि इस मिशन में डेल्टा फोर्स शामिल हो सकती है। गौरतलब है कि मादुरो पर अमेरिका में 2020 से कथित नार्को-टेररिज्म के आरोप लंबित हैं। एक सीनेटर ने यह दावा भी किया कि उनपर अमेरिका में मुकदमा चलाया जाएगा।

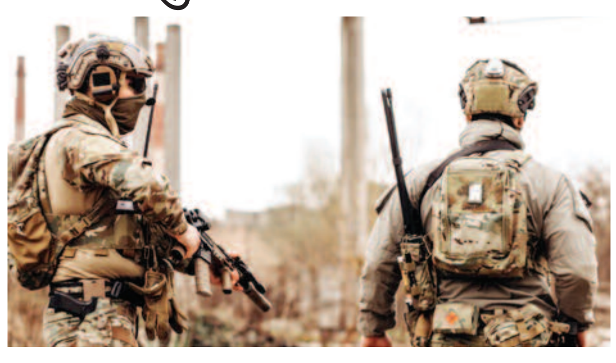

डेल्टा फोर्स क्या है?

डेल्टा फोर्स का आधिकारिक नाम फर्स्ट स्पेशल फोर्सेज ऑपरेशनल डीटैचमेंट-डेल्टा है। यह अमेरिकी सेना की टियर-वन स्पेशल मिशन यूनिट मानी जाती है, जिसका मुख्य काम आतंकवाद-रोधी अभियान, हाई-वैल्यू टारगेट की गिरफ्तारी या निष्क्रिय करना और बंधक मुक्ति ऑपरेशन होता है। यह यूनिट सीधे ज्वॉट स्पेशल ऑपरेशन्स कमांड के अधीन काम करती है और बेहद गोपनीय तरीके से मिशन अंजाम देती है।

कौन-कौन से बड़े ऑपरेशन किए?

डेल्टा फोर्स ने 2019 में सीरिया में हुए उस ऑपरेशन में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें इस्लामिक स्टेट के प्रमुख अबु-बकर-अल बगदादी मारा गया था। इसके अलावा यह यूनिट अफगानिस्तान, इराक और अन्य संघर्ष क्षेत्रों में कई गुप्त अभियानों में शामिल रही है। यह सीआईए के साथ मिलकर भी ऑपरेशन करती है और जरूरत पड़ने पर अमेरिकी नेताओं को युद्ध क्षेत्रों में सुरक्षा देती है।

कैसे होती है भर्ती और तैयारी?

डेल्टा फोर्स की स्थापना 1977 में चार्ल्स बेकविथ ने की थी। इस यूनिट में सीधे भर्ती नहीं होती, बल्कि अमेरिकी सेना के रेंजर्स और स्पेशल फोर्सेज से चुने गए अनुभवी जवानों को कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। उम्मीदवारों के पास लंबा सैन्य अनुभव, मानसिक मजबूती और अत्याधुनिक प्रशिक्षण होना जरूरी है। आज डेल्टा फोर्स को दुनिया की सबसे खतरनाक और सक्षम स्पेशल फोर्स यूनिट्स में गिना जाता है।

बंद कमरों में भारत के खिलाफ नैरेटिव वॉर, पीएम मोदी की नीतियों से पुराने समीकरण ध्वस्त

नई दिल्ली। यूरोप के राजनीतिक गलियारों और ब्रुसेल्स से लेकर एस्टोनिया तक फैले थिंकटैंकों में इन दिनों भारत को लेकर एक अजीब सी सुगबुगाहट है। यह सुगबुगाहट भारत की बढ़ती शक्ति के स्वागत की नहीं, बल्कि उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को संदिग्ध बनाने की कवायद है। यहां बातचीत औपचारिक मंचों से ज्यादा कॉरिडोर और बैकडोर बैठकों में होती है। एक पैटर्न.. भारत के खिलाफ ऐसा नैरेटिव बुना जा रहा है जो मासूम तो कतई नहीं है। हालांकि, विरोधाभास ये है कि एक तरफ जहां यूरोप की हवाओं में फैला है कि भारत 'भविष्य की शक्ति' है, वहीं दूसरी तरफ थिंक-टैंकों की 'बैकडोर मीटिंग्स' में भारत की साख गिराने का एक सुनियोजित 'नैरेटिव ऑपरेशन' चल रहा है। यह अलग बात है कि इस बार भारत रक्षात्मक नहीं है। जवाब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस 'रणनीतिक स्वायत्तता' से मिल रहा है, जिसने पश्चिम के पुराने समीकरणों को हिलाकर रख दिया है।

नैरेटिव के चक्रव्यूह को भेदता मोदी फैक्टर

इस पूरे प्रोपेगंडा के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी है। उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखा जाता है

जो दबाव में झुकता नहीं और नैरेटिव के जाल में फंसता नहीं। जब पश्चिमी देश भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव डालते हैं, तो मोदी का समरकंद वाला मंत्र कि यह युद्ध का युग नहीं है₹, उन्हें निरुत्तर कर देता है।

यह बयान न केवल शांति की अपील था, बल्कि एक संप्रभु राष्ट्र की वह हुंकार थी जिसने यह साफ कर दिया कि भारत किसी एक 'ब्लॉक' का अनुयायी नहीं बनेगा। मोदी के नेतृत्व में भारत ने 'रणनीतिक स्थिरता' को अपनी नई ताकत बना लिया है, जिससे यूरोप के पुराने समीकरण ध्वस्त हो गए हैं।

रणनीतिक स्वायत्तता की जीत और बढ़ता पश्चिमी दबाव

रूस की सीमा से सटे देशों में भारत के रूस के साथ ऐतिहासिक रिश्तों को अक्सर 'नैतिकता' के चश्मे से देखा जाता है। नैरेटिव यह धकेला जाता है कि यदि भारत को ह्वलोकतांत्रिक गठबंधनह्व का हिस्सा बनना है तो उसे अपनी स्वायत्तता छोड़नी होगी। हालांकि, हकीकत इसके उलट है।

भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह रूस के साथ ऊर्जा संबंधों को भी निभाएगा और साथ ही पश्चिम के साथ तकनीकी साझेदारी भी करेगा। भारत अब खरीदार की तरह नहीं, बल्कि एक बराबर के साझेदार की तरह मेज पर बैठता है। यही वह आत्मनिर्भरता है जो यूरोप के कुछ धड़ों को असहज करती है।

कमजोरी नहीं, बढ़ती हैसियत का संकेत

यूरोप से लौटते वक्त जो बात सबसे साफ दिखती है, वह यह है कि भारत के खिलाफ जो भ्रम फैलाया जा रहा है, वह हमारी कमजोरी नहीं बल्कि हमारी बढ़ती हैसियत का संकेत है।

जब काइमो कूस्क जैसे अधिकारी राफेल पर सवाल उठाते हैं और मार्गस त्सखना जैसे मंत्री मोदी की 'संतुलन की शक्ति' की तारीफ करते हैं, तो साफ हो जाता है कि यूरोप भारत की नई ताकत से 'असहज' भी है और 'प्रभावित' भी।

आज का नया बारत अब अपनी क्षमता दूसरों से प्रमाणित नहीं करवाता। मोदी के नेतृत्व वाले भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह अपनी कहानी का लेखक खुद है। बंद कमरों में खटकती यही सच्चाई आज यूरोप की सबसे बड़ी बेचैनी है और भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत भी।

चीन-पाक की जुगलबंदी और मार्गस त्सखना का संतुलन

इस हाइब्रिड वॉरफेयर में चीन और पाकिस्तान के तर्क अक्सर यूरोपीय विशेषज्ञों की जुबान बनकर निकलते हैं। वे भारत को एक ह्वअस्थिर क्षेत्रीय शक्तिह्व दिखाने की कोशिश करते हैं। वहीं, एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्सखना का नजरिया यहां भारत के पक्ष में एक बड़ा वजन डालता है। त्सखना कहते हैं कि ₹भारत आज पूरी दुनिया में संतुलन साधने की अद्भुत क्षमता रखता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार ऐसा करते दिखाई देते हैं।₹ यह बयान उस नैरेटिव को ध्वस्त कर देता है जो भारत को केवल एक 'क्षेत्रीय खिलाड़ी' साबित करना चाहता है। त्सखना की यह टिप्पणी साबित करती है कि यूरोप का एक धड़ा मोदी के उस 'मल्टी-एलाइनमेंट' का कायल है, जहां भारत रूस और पश्चिम के बीच बिना झुके अपनी जगह बना रहा है।

विरोधाभासों का भंवर और कूस्क का राफेल दावा

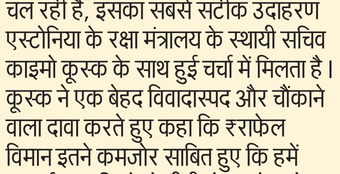

यूरोप में भारत को लेकर कैसी दोहरी सोच चल रही है, इसका सबसे सटीक उदाहरण एस्टोनिया के रक्षा मंत्रालय के स्थायी सचिव काइमो कूस्क के साथ हुई चर्चा में मिलता है। कूस्क ने एक बेहद विवादास्पद और चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि ₹राफेल विमान इतने कमजोर साबित हुए कि हमें आश्चर्य हुआ कि कैसे चीनी जेट्स ने उन्हें मार गिराया।₹ यह बयान सीधे तौर पर उस नैरेटिव का हिस्सा है जो भारतीय सैन्य साख को कमतर आंकने के लिए गढ़ा जा रहा है। दिलचस्प यह है कि प्रोपेगेंडा और वास्तविकता का विरोधाभास इसी बातचीत में उजागर हो जाता है। अगले ही पल कूस्क यह भी स्वीकार करते हैं कि भारत एक उभरती हुई महान रक्षा और आर्थिक शक्ति है। एक तरफ भारतीय हथियारों की युद्ध-क्षमता पर सवाल उठाना और दूसरी तरफ उसे महाशक्ति मानना, यही वह मानसिक द्वंद्व है जिससे आज का यूरोप जूझ रहा है।

तेहरान विरोध प्रदर्शनों में अब तक 10 की मौत

तेहरान। ईरान में महंगाई, मुद्रा की कीमत में भारी गिरावट और बेरोजगारी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। छठे दिन ये विरोध प्रदर्शन देश के कई प्रांतों में फैल चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन प्रदर्शनों के दौरान आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन छठे दिन में प्रवेश कर गए हैं। कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन और गिरफ्तारियों की खबरें हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी (एचआरएएनए) ने बताया कि अब तक 10 प्रदर्शनकारी मारे जा चुके हैं और दर्जनों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शन की शुरूआत सोमवार को हुई, जब तेहरान में कारोबारियों ने बाजार को बंद किया। अब ये प्रदर्शन देश के 46 शहरों और 22 प्रांतों में 113 स्थानों तक फैल चुके हैं। एचआरएएनए ने बताया कि माशहद, जाहिदान, काजवीन, हमदान और तेहरान जैसे शहरों में प्रदर्शन जारी हैं। इन जगहों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है, बल प्रयोग हुआ है और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने ट्रंप को दिया धन्यवाद

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर ईरानी अधिकारी प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाते हैं तो अमेरिका दखल कर सकता है, इसके बाद ईरान के पूर्व क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति का धन्यवाद किया और ईरानी जनता का समर्थन करने के लिए सराहना की।

पहलवी ने कहा कि ईरानी लोग इस शासन के 46 साल की अराजकता और आतंक के शासन को समाप्त करना चाहते हैं और क्षेत्र में शांति और स्थिरता लाने के लिए अमेरिका के साथ संबंध फिर से सुधारने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ट्रंप की चेतावनी ईरानी लोगों को ताकत और उम्मीद देती है और यह दिखाती है कि आखिरकार अमेरिका का राष्ट्रपति उनके साथ मजबूती से खड़ा है। पूर्व ईरानी महारानी फराह पहलवी ने भी प्रदर्शनों का समर्थन किया और सुरक्षा बलों से लोगों के आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

उन्होंने लिखा कि ईरान एक गौरवशाली इतिहास वाला देश है और भविष्य उनके साहस और संघर्ष का परिणाम होगा।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

स्व. नरेश चंद त्यागी एडवोकेट की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व नव मतदाता पंजीकरण शिविर का आयोजन

गाजियाबाद करंट क्राइम। शास्त्री नगर स्थित नेहरू वर्ल्ड स्कूल में पार्षद अमित त्यागी द्वारा अपने पिता स्व. नरेश चंद त्यागी एडवोकेट की स्मृति में यशोदा अस्पताल व हर्ष ईएनटी एंड स्किन हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर व नव मतदाता पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने शिविर का शुभारंभ किया। पार्षद अमित त्यागी के पुत्र गर्व त्यागी ने सभी आगुंतकों का स्वागत किया। मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी ने युवाओं से स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने की आवश्यकता है। विधायक अजीतपाल त्यागी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से छूटे मतदाताओं का नाम जुड़वाने के अभियान में हम सभी को जुटना है। ऐसे में हम सबका दायित्व है कि जिनके नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो सका है, उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने के लिए कार्य करें।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि कार्यकर्ता घर-घर पहुंचें और नए वोटरों को मतदाता बनवाने के अभियान में जुटें और यह सुनिश्चित करे कि उसके बूथ पर कोई भी पात्र मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल होने से छूटने न पाए। शिविर में डॉ राजेंद्र यादव, सुरेंद्र नागर, सचिन सोनी, गौरव चौपड़ा, पंकज भारद्वाज, मास्टर मनोज नागर, साहब सिंह सिरोही, विजय धामा, ललित शर्मा, ललित कश्यप, अमित रंजन, मोनू त्यागी, अंकुश अरोड़ा, राम त्यागी, इंद्रमणि अग्रवाल, राहुल तोमर, नीरज त्यागी, हेमंत त्यागी, पवन शर्मा, पुष्पेन्द्र गुप्ता, कर्मवीर सिंह, संदीप शर्मा व अन्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

शहरभर में पेयजल की गुणवत्ता जांच का अभियान नगर आयुक्त ने संयुक्त टीम को सौंपी जिम्मेदारी

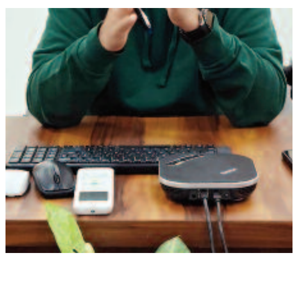

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम सीमा में नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पेयजल गुणवत्ता की व्यापक जांच के निर्देश दिए हैं। इसके तहत जलकल विभाग, जल निगम, एस.एफ.आई. तथा वीए टैक वाबैग की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चलाएंगी। नगर आयुक्त द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्यवाही जोन स्तर पर की जाएगी। जांच के दायरे में नगर निगम सीमा अंतर्गत लगे नलकूप, हैंडपंप, ओवरहेड टैंक एवं भूमिगत जलाशय शामिल होंगे।

नगर आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में नगर निगम द्वारा लगभग 3 लाख 46 हजार उपभोक्ताओं को पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। पेयजल पाइपलाइन की नियमित सफाई का कार्य पहले से जारी है, वहीं अब अभियान के रूप में जल की गुणवत्ता, क्लोरीन की मानक मात्रा, पाइपलाइन लीकेज व ब्रेकेज की विशेष जांच की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जांच टीम सभी वार्डों में क्षेत्रीय पार्षदों से समन्वय करते हुए कार्य करेगी, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके। जल नमूने उपयोग बिंदुओं से एकत्र कर बायोलॉजिकल, बैक्टीरियोलॉजिकल एवं केमिकल परीक्षण कराया जाएगा।

पेयजल जांच : मुख्य बिंदु

- जलकल, जल निगम व अन्य एजेंसियों की संयुक्त कार्यवाही
- सभी वार्डों में नलकूप, हैंडपंप व टंकियों की जांच
- क्लोरीन की मात्रा मानक के अनुसार जांच
- पाइपलाइन लीकेज व ब्रेकेज पर फोकस
- पार्षदों के सहयोग से क्षेत्रवार सैंपलिंग

नगर निगम सीमा में वर्तमान में लगभग 300 बड़े नलकूप (15-30 एचपी), 1100 छोटे नलकूप (5-10 एचपी), 6000 हैंडपंप, 51 ओवरहेड टैंक तथा 29 भूमिगत जलाशयों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है।

नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि पुरानी पाइपलाइनों को प्राथमिकता पर बदला जाए और टंकियों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा सके।

महिला आयोग की सदस्या डॉ. हिमानी अग्रवाल 7 जनवरी को मोदीनगर में करेंगी जनसुनवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल 7 जनवरी 2026 को मोदीनगर तहसील में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम करेंगी। जनसुनवाई सुबह 11 बजे से आयोजित की जाएगी। इस संबंध में महिला आयोग की ओर से जिलाधिकारी एवं पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद को पत्र भेजकर जनसुनवाई के दौरान पुलिस सुरक्षा, प्रशासनिक सहयोग और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई कर संबंधित विभागों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। कार्यक्रम में आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे। महिला आयोग ने निर्देश दिए हैं कि जनसुनवाई के समय प्राप्त प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए त्वरित निस्तारण की कार्यवाही की जाए तथा जिन मामलों में अन्य विभागों की भूमिका आवश्यक हो, उनमें समन्वय स्थापित किया जाए।

चेकिंग के दौरान गोलियों की गूंज, पुलिस की जवाबी फायरिंग में शातिर लुटेरा घायल

अंधेरे में बाइक की रफ्तार, पुलिस की टॉर्च की रोशनी और अचानक चली गोली

गाजियाबाद करंट क्राइम। नाहल जेल रोड पर शनिवार की रात कुछ पल के लिए किसी क्राइम थ्रिलर से कम नहीं थी। थाना मसूरी पुलिस की सतर्कता ने एक बार फिर बड़ी वारदात को होने से पहले ही नाकाम कर दिया।

दिनांक 03 जनवरी 2026 को थाना मसूरी पुलिस टीम नाहल जेल रोड पर बंबे के पास चेकिंग कर रही थी। तभी मसूरी की ओर से बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार एक संदिग्ध युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने जैसे ही रुकने का इशारा किया, बाइक सवार ने रफ्तार बढ़ा दी और पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर झोंक दिया।

हालात बिगड़ते देख पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। कुछ ही सेकेंड में चली गोली अभियुक्त के पैर में लगी और वह बाइक समेत गिर पड़ा। पुलिस ने मौके पर ही उसे घायल अवस्था में दबोच लिया।

गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में अपना नाम अबरार पुत्र अनवार, निवासी ग्राम पिपलैडा, थाना धौलाना, जनपद हापुड़ (उम्र लगभग 35 वर्ष) बताया। पुलिस रिकॉर्ड खंगाला गया तो सामने आया कि यह कोई मामूली बदमाश नहीं, बल्कि करीब दो दर्जन लूट, गैंगस्टर और चोरी के मुकदमों में वांछित शातिर अपराधी है।

मौके से पुलिस ने 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा, एक जिंदा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक बरामद की। घायल अभियुक्त को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई न होती तो बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता था। थाना मसूरी पुलिस टीम की मुस्तैदी ने एक बार फिर साबित कर दिया कि शहर में अपराधियों के लिए अब कोई सेफ जोन नहीं है।

लूट-चोरी से दहशत फैलाने वाले तीन गुंडे जिला बदर, छह महीने तक गाजियाबाद में एंट्री बैन

- यह कार्रवाई न्यायालय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/ यातायात) के आदेश पर की गई

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर में लूट और चोरी की वारदातों से लोगों में डर का माहौल बनाने वाले तीन शातिर अपराधियों पर पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत इन्हें गुंडा घोषित कर छह महीने के लिए जिला बदर कर दिया गया है।

न्यायालय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात) के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, इन गुंडों का इतना आतंक था कि इनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने या गवाही देने की हिम्मत आम लोग नहीं जुटा पाते थे। जिला बदर की कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों पर लगाम लगने और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ने की उम्मीद है।

जिला बदर किए गए गुंडों में विक्रांत पुत्र प्रमोद (लोनी बॉर्डर), साहिल पुत्र खलील (थाना लोनी) और अंश जैन पुत्र विजय जैन (शालीमार गार्डन) शामिल हैं। तीनों के खिलाफ लूट, चोरी और जानलेवा हमले जैसे गंभीर मामलों का आपराधिक इतिहास दर्ज है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2025 में अब तक 160 और वर्ष 2026 में 3 अपराधियों को गुंडा घोषित कर जिला बदर किया जा चुका है। वहीं, 2025 में 96 और 2026 में 1 अपराधी को थाने में नियमित हाजिरी के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई का मकसद अपराधियों में डर और जनता में भरोसा पैदा करना है, ताकि शहर में अपराधमुक्त और शांत माहौल बनाया जा सके।

शनिवार सीजन का सबसे ठंडा दिन पूरे दिन छाया रहा घना कोहरा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश में कडाके की ठंड पड़ने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को इस सीजन का सबसे ठंडा दिन रहेगा। पहाड़ी हवाओं और नमी के कारण शनिवार की सुबह कई जिलों में ठंड का प्रकोप देखा जा रहा है।

प्रदेश के मध्य और पूर्वी हिस्सों के कई जिलों में मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। यहां विजिबिलिटी कम रहने के कारण येलो अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को भी नोएडा से लेकर वाराणसी तक सुबह सवेरे कोहरे की घनी चादर तनी रहा। मौसम विभाग ने प्रदेश के ज्यादातर जिलों में कोहरे को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि अगले 48 घंटों में प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी। इस गिरावट के बाद फिर यूपी में कोल्ड डे का कहर दिखाई देगा। आईएमडी के पूवार्नुमान के मुताबिक 4 जनवरी को पूर्वी यूपी के साथ पश्चिमी यूपी के अधिकांश जिलों में सुबह सवेरे के समय घने से घना कोहरा नजर आएगा। इसको लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया गया है।

ठंड की रात में पुलिस का परोपकार : रैन बसेरों में पहुंचाये लोग

गाजियाबाद करंट क्राइम। कड़ाके की ठंड, सन्नाटा और ठिठुरती सड़केंङ्क जब ज्यादातर लोग घरों में दुबके थे, तब गाजियाबाद पुलिस की टीमें शहर के अलग-अलग कोनों में इंसानियत की तलाश में निकलीं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के तहत देर रात रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, बाजारों और प्रमुख चौराहों पर खुले आसमान के नीचे रह रहे असहाय लोगों को नाम लेकर चिन्हित किया गया और उन्हें सुरक्षित रैन बसेरों में शिफ्ट किया गया।

विशेष अभियान के तहत देर रात रेलवे स्टेशन, बस अड्डों, बाजारों और प्रमुख चौराहों पर रह रहे लोगों को नाम लेकर चिन्हित किया गया

मोदीनगर क्षेत्र में पुलिस ने सचिन कुमार (बाराबंकी), कपिल (बुलंदशहर), संतोष कुमार (शिमला) और राजेश मिश्रा (गोविंदपुरी, गाजियाबाद) को छतरी वाला मंदिर रैन बसेरा पहुंचाया। वहीं रविंदत्त (शाहजहांपुर) को भी सुरक्षित आश्रय दिया गया। वेव सिटी क्षेत्र में महताब (ग्राम नाहल, गाजियाबाद) को नगर पंचायत डासना स्थित रैन बसेरे में शिफ्ट किया गया। कोतवाली नगर क्षेत्र में रेलवे स्टेशन और पुराने बस अड्डे से सोनू, संजय, राहुल, कुशाल (आगरा), विजयपाल, कमल, राजपाल, जगन्नाथ, गुड्डू और स्वरूप को रैन बसेरों तक पहुंचाया गया। रैन बसेरों में इन सभी के लिए गर्म बिस्तर, कंबल और भोजन की व्यवस्था की गई, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण असहाय न रहे। इस अभियान में नगर निगम और स्थानीय प्रशासन का भी सहयोग रहा।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, बल्कि समाज के कमजोर वर्ग के प्रति मानवीय जिम्मेदारी है। ठंड के पूरे मौसम में यह अभियान लगातार जारी रहेगा। गाजियाबाद पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अगर कहीं कोई असहाय व्यक्ति ठंड से जूझता दिखाई दे, तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने को सूचना दें क्योंकि किसी एक कॉल से किसी की रात, शायद ज़िंदगी बदल सकती है।

थार सवारों ने बालेनो कार सवारों पर की फायरिंग, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई घटना

गाजियाबाद करंट क्राइम। नए साल के जश्न में वीवीआईपी सोसाइटी में हुए विवाद के चलते शनिवार को बदला लेने के लिए थार सवार चार पांच युवकों ने पिस्टल से बालेनो कार पर फायरिंग कर दी। एक के बाद एक तीन फायर किए गए। ग्रामीणों थार सवारों का पीछा किया। थार सवार हवाई फायरिंग करते हुए भाग गए। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि नंदग्राम क्षेत्र के गांव सीकरोड में सुनील की दुकान पर गांव के ही अंकुर उर्फ सिट्टी और उसका दोस्त हर्ष समान खरीदने पहुंचे। सामान लेकर दोनों बालेनो कार में सवार हो गए और घर लौटने लगे। इसी दौरान बलेनो कार के बराबर में आई थार सवार युवकों ने अंकुर और हर्ष पर फायरिंग कर दी। तीन गोली कार में जा धंसी। गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और थार सवारों का पीछा किया। थार सवारों ने ग्रामीणों को धमकी दी और हवाई फायर कर भाग गए। मौके पर पहुंची नंदग्राम पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने भी कार में धंसी गोलियों के निशान की जांच पड़ताल की। एसीपी ने बताया कि 31 दिसंबर की रात वीवीआइपी सोसाइटी में नए वर्ष के जश्न के दौरान अंकुर उर्फ सिट्टी का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। पीड़ित ने इसी विवाद के चलते जानलेवा हमले की बात कही है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

हिंडन विहार में कूड़ा घर बनाने का स्थानीय लोगों ने किया विरोध, बसपा ने दिया अपना समर्थन

गाजियाबाद करंट क्राइम। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 17 हिंडन विहार में कूड़े घर का निर्माण किया जा रहा है जिसका स्थानीय निवासी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंडन विहार के साथ नगर निगम अन्याय कर रहा है। पहले यहा कूड़ा अलग करने की फैक्ट्री लगा दी गई वहीं अब कूङा घर बनाया जा रहा है। स्थानीय लोगों की ओर से सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से अपने विरोध को प्रकट किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने इस मुद्दे पर बहुजन समाज पार्टी से सहयोग मांगा। बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने शनिवार को हिंडन विहार जाकर कूड़ा घर और उससे उत्पन्न होने वाले समस्याओं की जानकारी ली। बसपा जिला अध्यक्ष मनोज जाटों के निर्देश पर मंडल प्रभारी महेश प्रजापति, गाजियाबाद विधानसभा अध्यक्ष लखमीचंद, साहिबाबाद विधान सभा अध्यक्ष डॉक्टर बलवीर, पूर्व महानगर उपाध्यक्ष पंकज शर्मा, विधानसभा प्रभारी एडवोकेट प्रदीप, वरिष्ठ नेता सोनू आनंद, राहुल कुमार, पूर्व जिला उपाध्यक्ष मुनव्वर चौधरी हिंडन विहार स्थित निर्माण स्थल पर पहुंचे। सैकड़ो की संख्या में उपस्थित निवासियों से वार्ता करने के बाद कूड़ा घर के विरोध का समर्थन किया। पूर्व महानगर उपाध्यक्ष पंकज शर्मा ने कहा कि नगर निगम के एक तरफा निर्णय के विरोध में सोमवार को बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व में जिलाधिकारी से एक बैठक का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें क्षेत्र के निवासी मौजूद रहेंगे। निवासियों ने बताया कि हिंडन विहार में पूर्व में एक कूड़ा घर संचालित है जिसका कूड़ा 10-10 दिन नहीं उठने के कारण बदबू पूरे क्षेत्र में फैली रहती है।

शराब पीने से मना करने पर जिम से लौट रहे युवक को मारी गोली

आरोपियों की तलाश में गाजियाबाद पुलिस

साहिबाबाद(गाजियाबाद)। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र में शुक्रवार रात घर के बाहर शराब पीने से मना करने पर आरोपितों ने एक पिता-पुत्र पर फायरिंग कर दी। इस घटना में पिता बाल-बाल बचे जबकि युवक के हाथ में गोली लगने से वह घायल हो गया।

घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। पीड़ित को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। मामले में युवक के पिता ने आरोपितों को नामजद करते हुए शालीमार गार्डन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

आरोपियों की तलाश जारी

पीड़ित शैलेश चौधरी का कहना है कि उनका बेटा दयास चौधरी जिम से घर लौटते समय खाना लेकर घर आया। इस दौरान उनकी बिल्डिंग के नीचे कुछ युवक रिक्शा में बैठकर शराब पी रहे थे और गाली-गलौज कर रहे थे। बेटे ने उन्हें मना किया तो आरोपितों ने गाली-गलौज कर तमंचा निकाल लिया और फायरिंग कर दी।

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है।